जीवन दर्शन

अपने आप को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी और को खुश करने की कोशिश करना - मार्क ट्वेन

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

रविवार 13 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 61 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

पंकज आडवाणी का जलवा, डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स ...

पृष्ठ 8 पर

राज्यपाल के बाद राष्ट्रपति पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त-कहा

राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो का अधिकार नहीं, तीन महीने में बिल पर फैसला अनिवार्य-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ■

अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। शुक्रवार रात वेबसाइट पर अपलोड किए गए ऑर्डर में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राज्यपालों की ओर से भेजे गए बिल के मामले में राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और न्यायपालिका बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी।

गवर्नर की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

1. **फैसला लेना होगा:** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

3. राज्य को कारण बताने होंगे: सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना अनिवार्य होगा। यदि देरी होती है, तो देरी के कारण बताने होंगे।

4. बिल बार-बार वापस नहीं भेज सकते: अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति किसी बिल को राज्य विधानसभा को संशोधन या पुनर्विचार के लिए वापस भेजते हैं। विधानसभा उसे फिर से पास करती है, तो राष्ट्रपति को उस बिल पर फाइनल डिसीजन लेना होगा और बार-बार बिल को लौटाने की प्रक्रिया रोकनी होगी।

2. **ज्यूडिशियल रिव्यू:** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा। अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सेना का जेसीओ शहीद

श्रीनगर/जम्मू। जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। सेना ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वहीं, शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन रात से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है।

तहव्वुर 26/11 के मास्टर माइंड साजिद के संपर्क में था, पाक सेना की वर्दी से खास लगाव

नई दिल्ली ■

2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को दूसरे दिन भी पूछताछ की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राणा ने पूछताछ में बताया कि वह ग्लोबल टेररिस्ट साजिद मीर से लगातार संपर्क में था, जो 26/11 हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है।

इसके अलावा पूछताछ में राणा ने 'दुबई मैन' का नाम लिया है, जिसे हमले की पूरी प्लानिंग पता थी। एजेंसी को शक है कि यह व्यक्ति पाकिस्तान और दुबई के बीच नेटवर्क संभालता था और हमलों की फाइनेंसिंग, लॉजिस्टिक सपोर्ट में अहम भूमिका निभा रहा था। ये भी पता चला है कि राणा का पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी करीबी संपर्क था और उसे पाकिस्तानी सेना की वर्दी से खास लगाव था। इससे पहले एनआईए ने पूछताछ के पहले दिन (शुक्रवार को) 3 घंटे पूछताछ की। एजेंसी ने बताया कि वह कोऑपरेट नहीं कर रहा है। एनआईए की कोशिश है कि तहव्वुर के परिवार और दोस्तों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल ने 1000 सैनिकों को नौकरी से निकाला:इन्होंने गाजा युद्ध पर सवाल उठाया था

तेल अवीव। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (ईडफ) ने अपने लगभग 1000 रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया है। इजराइल के सैन्य प्रमुख ईयार जमीर और वायु सेना ने रिजर्विस्टों को बर्खास्त करने का फैसला किया है। हालांकि अभी यह मालूम नहीं है कि ये बर्खास्तगी कब से होगी। इन सैनिकों ने गाजा में चल रहे जंग के खिलाफ आवाज उठाई थी और बंधकों की रिहाई को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल युद्धविराम की मांग की थी। इजराइल में पहली बार एक साथ इतने सैनिक निकाले गए इजराइल में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों को इस तरह की वजह से नौकरी से निकाला गया है। बर्खास्त किए गए सैनिकों में ज्यादातर रिजर्व सैनिक हैं, जो हाल में गाजा और लेबनान में हुए जंग में शामिल थे। इजराइल में पिछले महीने सैकड़ों वायुसेना रिजर्व सैनिकों ने कुछ इजराइली अखबारों में सरकार के नाम एक चिट्ठी प्रकाशित की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि गाजा में चल रही जंग अब राजनीतिक हितों को पूरा कर रही है। इसका अब कोई सैन्य उद्देश्य नहीं है। इसमें कहा गया था कि गाजा में 18 महीने से चल रही लड़ाई न तो बंधकों को बचा रही है और न ही हमास को खत्म कर पा रही है। इसके बजाय इस जंग में सैनिक, बंधक और आम नागरिक मारे जा रहे हैं। अगर जंग जारी रहा तो बंधकों, सैनिकों और निर्दोष लोगों की मौत होगी।

कीव में भारतीय फार्मा कंपनी के गोदाम पर रूसी मिसाइल का हमला, यूक्रेन का आरोप

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच कीव ने शनिवार को दावा किया कि रूस जानबूझकर भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है। यह आरोप यूक्रेन में भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी कुसुम के गोदाम पर मिसाइल हमले के बाद लगाया गया है। इसे लेकर एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया गया है। यूक्रेन के दूतावास ने आरोप लगाया कि रूस ने जानबूझकर यूक्रेन में भारतीय व्यवसायों को निशाना बनाया। यूक्रेन के दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज एक रूसी मिसाइल ने यूक्रेन में भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी कुसुम के गोदाम पर हमला किया। भारत के साथ विशेष मित्रता का दावा करते हुए, मॉस्को ने जानबूझकर भारतीय व्यवसायों को निशाना बनाया। इस हमले के साथ रूस ने बच्चों और बुजुर्गों के लिए बनाई गई दवाओं को नष्ट कर दिया। कुसुम हेल्थकेयर द्वारा संचालित इस गोदाम में कथित तौर पर मानवीय जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति रखी गई थी।

विधायक गोलू शुक्ला के बेटे की दबंगई: काफिला लेकर टेकरी चढ़े, जबरन पट खुलवाए

देवास। इंदौर के बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला ने देवास में दबंगई दिखाई। रुद्राक्ष शुक्ला देवास में माता की टेकरी पर काफिला लेकर चढ़े। जबरन मंदिर के पट खुलवाए और पुजारी के बेटे के साथ मारपीट की। पुलिस ने केस दर्ज किया है। बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला देर रात 12 बजे देवास की माता की टेकरी पर 10 से ज्यादा कारों के काफिले के साथ चढ़े। चामुंडा माता के पट बंद थे। पुजारी के बेटे ने मना किया तो उन्होंने जबरन पट खुलवाए। पुजारी के बेटे के साथ मारपीट भी की। पूरी घटना माता टेकरी के सीसीटीवी में कैद हो गई। पुजारी उपदेश नाथ की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। छोटी माता मंदिर के पट रात 12 बजे बंद हो गए थे। इसके बाद विधायक के बेटे और उनके दोस्त टेकरी पहुंचे थे। करीब 12.40 बजे महेश पुजारी के बेटे उपदेश नाथ से जीतू रघुवंशी ने पट खोलने को कहा तो उसने मना कर दिया। इस पर जीतू गुस्सा हो गया और गाली-गलौज करके पट खोलने के लिए दबाव बनाया। पुजारी के बेटे के साथ मारपीट भी की। उपदेश ने अपने पिता महेश नाथ से बात कराई तो जीतू ने उनके साथ भी गाली-गलौज की। जीतू ने कहा कि पट खोलना पड़ेगा। रुद्राक्ष शुक्ला के दोस्त ने पट नहीं खोलने पर उसने पुजारी को पद से हटाने की धमकी भी दी।

ट्रम्प ने स्मार्टफोन-कंप्यूटर से रेसिप्रोकल टैरिफ हटाया

वॉशिंगटन ■

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट को रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ से छूट दे दी। यह घोषणा ऐसे वक्त पर की गई, जब कुछ दिन पहले ही अमेरिका ने विदेशी वस्तुओं पर एक सदी में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया था।

अमेरिका कस्टम एंड बॉर्डर पेट्रोल (सीबीपी) ने नोटिस जारी कर कहा कि छूट में चीन से अमेरिका आने वाले स्मार्टफोन और उसके इक्विपमेंट समेत कई इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं, जिन पर हाल ही में 145% एक्स्ट्रा

टैरिफ लगाया गया था। सीबीपी के नोटिस में सेमीकंडक्टर, सोलर सेल, फ्लैट पैनल टीवी डिस्प्ले, फ्लैश ड्राइव और मेमोरी कार्ड को भी छूट दी गई। इस फैसले को कई अमेरिकी टेक कंपनियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। इन कंपनियों ने हाल ही में चिंता जाहिर की थी कि टैरिफ के फैसले से अमेरिका में इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतें बढ़ सकती हैं, क्योंकि कई प्रोडक्ट्स चीन में बनते हैं।

एपल को सबसे बड़ी राहत

इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियां खास तौर पर एपल के लिए टैरिफ में छूट बड़ी राहत मानी जा रही है। जब से अमेरिका ने चीन पर टैरिफ की दरों को बढ़ाकर 145% किया था, तब से एपल को 1 हजार डॉलर के हर आईफोन पर लगभग 700 डॉलर के इम्पोर्ट टैक्स का सामना करना पड़ रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 90% आईफोन चीन में ही बनाए जाते हैं। सीबीपी के नोटिस में सेमीकंडक्टर को ज्यादातर अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए बेसलाइन 10% टैरिफ और चीन पर लगाए गए 125% एक्स्ट्रा टैरिफ से भी बाहर रखा गया है।

वक्फ कानून का विरोध मुर्शिदाबाद में 3 की मौत

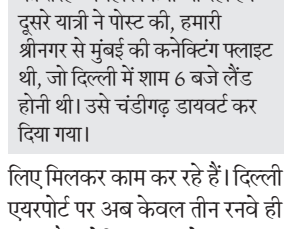

मुर्शिदाबाद ■

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के आदेश दिए हैं। विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर कोर्ट ने आदेश जारी किया है। वक्फ कानून के विरोध में राज्य में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है।

मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर पिता-बेटे की हत्या कर दी। इनकी पहचान हरगोविंद दास (पिता) और चंदन दास (बेटे) के रूप में हुई है। दोनों हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। वहीं, गोली लगने से एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। हिंसा जिले के शमशेरगंज ब्लॉक के धुलियान में हुई। कल यानी 11 अप्रैल

को भी धुलियान में हिंसा भड़की थी। यहां एक व्यक्ति घायल हो गया था, जिसकी आज अस्पताल में मौत हो गई। लिहाजा मुर्शिदाबाद हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बैन कर दिया गया है। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- आज की घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिस की ओर से गोली नहीं चली है, BSF की ओर से हो सकता है। ये शुरूआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव पहुँचे इंदौर के पितृ पर्वत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज हनुमान जयंती के अवसर पर इंदौर के प्रसिद्ध पितृ पर्वत पहुँचे। यहाँ उन्होंने हनुमान जी की विशाल प्रतिमा के दर्शन किये और पूजा अर्चना की। यहाँ उन्होंने गौ माता का पूजन भी किया। इस अवसर पर प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव,विधायकद्वय श्री रमेश मेंदोला तथा श्री मधु वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

धूलभरी आंधी के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी, 450 फ्लाइट्स डिले

नई दिल्ली ■

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, अधिकतर फ्लाइट में औसतन 40 मिनट की देरी हुई। इस वजह से एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में यात्री जमा हो गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दिल्ली में शुक्रवार देर शाम चली धूलभरी आंधी की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स ऑपरेशन में देरी हुई। ये हालात शनिवार दोपहर तक बने रहे7

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के मुताबिक, शनिवार शाम तक 450 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हुईं। 18 फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। रूट भी बदले गए। फ्लाइट ऑपरेशन में

औसत देरी 50 मिनट से ज्यादा थी। फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित होने के चलते एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में यात्री जमा हो गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्रियों को लंबा इंतजार और बार-बार चेकिंग जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एक्स पोस्ट में कहा- हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें और सभी हितधारक यात्रियों की किसी भी असुविधा को कम करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर अब केवल तीन रनवे ही चालू हैं क्योंकि एक रनवे रखरखाव कार्यों के लिए बंद है। कल रात के मौसम की स्थिति के कारण कुछ उड़ानें अभी भी प्रभावित हैं।

यात्री बोले- जानवरों जैसा व्यवहार किया

एक यात्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी भीड़ जमा हो गई है। पैसेंजर्स से जानवरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। दूसरे यात्री ने पोस्ट की, हमारी श्रीनगर से मुंबई की कनेक्टिंग फ्लाइट थी, जो दिल्ली में शाम 6 बजे लैंड होनी थी। उसे चंडीगढ़ डायवर्ट कर दिया गया।

मोहन यादव के जीवन में सच हुआ राजा का रोल: बन गए सीएम..!

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस

GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

"हो सितारे बुलंद तो बदल जाती हैं तकदीरें" और यह पंक्ति मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर सार्थक हुई. ' चमत्कार को नमस्कार ' सभी करते हैं और करना ही पड़ता है, क्योंकि जो नहीं सोचा वह हो जाए वह हो जाए वही चमत्कार है और ऐसा ही चमत्कार महाकाल की नगरी उज्जैन से मोहन यादव के साथ हुआ, जो ' विक्रमादित्य ' नाट्य मंचन में राजा बने और जीवन में सच में प्रदेश के राजा बन गए..!

नाटक में राजा फिर सीएम बनने तक चमत्कारिक है मोहन यादव की दास्तान..!

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर 12 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय 'विक्रमोत्सव' में सम्राट विक्रमादित्य की गौरव गाथा को महानाट्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा. इस महानाट्य का मंचन खास इसलिए भी है, क्योंकि इसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 2000 के दशक की शुरूआत में अभिनय किया था. उस समय यादव ने 'सम्राट विक्रमादित्य महामंचन' में सम्राट विक्रमादित्य के पिता महेन्द्रादित्य की भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था. आज वही मोहन यादव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में इस सांस्कृतिक पहल को राष्ट्रीय मंच पर ले जा रहे हैं.उस समय तो किसी ने नहीं सोचा था कि रंगमंच पर सम्राट महेन्द्रादित्य की भूमिका निभाने वाला यह युवक भविष्य में मध्य प्रदेश का नेतृत्वकर्ता, सांस्कृतिक अभिभावक और जनमानस का प्रतिनिधि बनकर उभरेगा. डॉ. यादव का सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रेम ही उन्हें सत्ता के शीर्ष तक ले गया. वैसे उस समय ही नहीं अपितु जब ' लाड़ली बहना ' योजना लाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के फिर मुख्यमंत्री बनने की सम्भावना थी, लेकिन अचानक चमत्कार जैसा ही घटित होता है और उज्जैन के विधायक मोहन यादव का नाम मुख्यमंत्री के लिए प्रस्तावित हो जाता है,

हालांकि इस चमत्कार के पीछे उनके कर्म भी सार्थक रहे हैं.प्रमाण जब डॉ. मोहन यादव उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बने, तब उन्होंने विकास को केवल इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण तक सीमित नहीं रखा. उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य की दृष्टि से उज्जैन को एक ऐसे नगर के रूप में देखा, जो इतिहास, आस्था और आधुनिकता का संगम बने. उनकी पहल पर शहर में उज्जैन देश का पहला

ऐसा शहर बना, जिसमें दिशा-प्रेरित प्रवेश द्वारों के माध्यम से संस्कृति का स्वागत हुआ.मोहन यादव ने ही सम्राट विक्रमादित्य के नाम से स्थापित विक्रम विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अपना योगदान दिया. उनके नेतृत्व में ही यहां शोध व शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के काम हुए. लाल किले से सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का देशव्यापी मंचन निश्चित ही सांस्कृतिक उत्थान के नए आयाम निरुपित करेगा, क्योंकि जब लाल किले की प्राचीर से विक्रमादित्य की गाथा गूंजेगी तो वह केवल एक नाटक का मंचन ही नहीं अपितु देश में बेहतर न्याय के राज के संदेश का भी सूत्रपात करेगा.

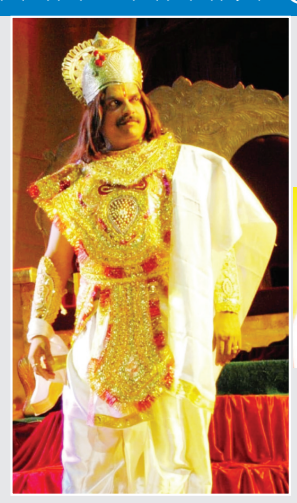

चीन बोला- भारतीय दोस्तों का हमारे यहां स्वागत

नई दिल्ली ■

अमेरिका से जारी ट्रेड वॉर के बीच चीन भारतीय पर्यटकों को लुभाने की भरसक कोशिशों कर रहा है। भारत स्थित चीनी दूतावास और कॉन्सुलेट्स ने 9 अप्रैल तक 85,000 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को वीजा जारी किए हैं। भारत में चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने ज्यादा से ज्यादा भारतीयों से चीन आने और देश घूमने की अपील की।

उन्होंने एक्स पर लिखा- 9 अप्रैल, 2025 तक भारत में चीनी दूतावास और कॉन्सुलेट्स ने चीन विजिट करने वाले भारतीय नागरिकों को 85,000 से ज्यादा वीजा जारी

किए हैं। चीन आने वाले ज्यादा से ज्यादा भारतीय दोस्तों का स्वागत है, ताकि वे सुरक्षित और दोस्ताना चीन को जान सकें। भारतीय टूरिस्ट्स के लिए कई तरह की छूट ऑनलाइन अपॉइंटमेंट की जरूरत नहीं: चीनी वीजा के लिए अप्लाई करने वाले भारतीयों को अब अनिवार्य तौर पर ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने की जरूरत नहीं होगी। इससे वीजा एप्लिकेशन प्रोसेस तेज और आसान हो जाएगी।

गौशालाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश में गौ सेवा की लिखेंगे नई इबारत- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुविधाओं से युक्त मध्यप्रदेश में अपने तरह की पहली हाईटेक कामधेनु गौशाला का किया भूमि पूजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गौ संरक्षण और संवर्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा तेजी से संकल्पबद्ध होकर कार्य किये जा रहे हैं । राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प को पूरा करने के लिए गौ शालाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध रूप से प्रयास किये जा रहे हैं । उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौशालाओं के माध्यम से गौ सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी । प्रदेश में नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। इसके माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में भी वृद्धि की जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिले। इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव इंदौर जिले के महू-मण्डलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा में प्रदेश में अपने तरह की पहली हाईटेक कामधेनु गौशाला के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह गौशाला 10 हजार गायों के पालन-पोषण के लिये रहेगी। यह गौशाला लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाई जा रही है। इस गौशाला का निर्माण इंदौर नगर निगम के माध्यम से किया जायेगा। इसके देखरेख की जिम्मेदारी भी नगर निगम ही संभालेंगी। गौशाला के संचालन में संत समाज का सहयोग भी लिया जायेगा। इसके संचालन में समाजसेवी लोग भी निःस्वार्थ भाव से गौ-सेवा के कार्यों में जुड़ सकेंगे। गायों के पालन और संरक्षण के लिये सभी जरूरी सुविधाएं गौशाला में रहेंगी। गौशाला क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण भी किया जायेगा। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव,सांसद सुश्री कविता पाटीदार,विधायक सुश्री उषा ठाकुर,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय,श्री सुमित मिश्रा,श्री श्रवण चावड़ा,श्री निरंजन सिंह चौहान सहित अन्य जन प्रतिनिधि और स्वामी श्री अच्युतानंद जी महाराज विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी वर्ग की बेहतरी के लिए राज्य सरकार द्वारा संकल्पबद्ध होकर प्रयास किये जा रहे हैं। हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। हमारी सरकार दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के भी निरंतर प्रयास कर रही है। साथ ही हमारे प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिले।

सर्वसुविधा युक्त होगी कामधेनु गौशाला आशापुरा (महू)

नगर निगम इंदौर द्वारा महू तहसील के आशापुरा ग्राम में कामधेनु गौशाला का निर्माण प्रारंभ किया गया है। इस गौ शाला के लिए कलेक्टर इंदौर द्वारा लगभग 25 हेक्टेयर भूमि आवंटित कर गौवंश के संवर्धन हेतु नगर निगम इन्दौर को अधिपत्य में दी गयी है। उक्त भूमि पर नगर निगम इंदौर द्वारा गौ वंश संवर्धन के उददेश्य से कार्य योजना तैयार की गई है। इसके तहत कुल दस हजार गौवंश के लिये लगभग 8 शेड बनाये जायेंगे। प्रत्येक शेड के साथ में गौ वंश के सुगम विचरण हेतु खुला स्थान रहेगा। परिसर में गौवंश के आहार भण्डारण हेत भूसाघर एवं दानाघर का प्रावधान किया गया है। बीमार गौवंश की देखभाल हेत विशेष सुविधाओं से युक्त पृथक शेड का निर्माण किया जायेगा। हरे चारे की बुआई हेतु खुली कृषि भूमि का भी प्रावधान रखा गया है। सड़क के दोनों ओर तालाब के चारों ओर एवं अन्य निर्धारित स्थान पर सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। परिसर में एक गौ पूजन केन्द्र का निर्माण किया जायेगा। पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जायेगी। अन्य जरुरी कार्य भी कराये जायेंगे।

18 साल के स्टूडेंट की हार्ट अटैक से मौत, पढ़ाई करते समय ही थम गई सांसें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां आईआईटी की तैयारी कर रहे 18 वर्षीय छात्र की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक छात्र 11वीं कक्षा में पढ़ता था और अपने बड़े भाई के साथ किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार देर रात तक वह लगातार पढ़ाई कर रहा था, तभी अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन और अन्य लोग उसे अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शनिवार को एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। भंवरकुआं थाना क्षेत्र की इस घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंतोडिया ने बताया कि मृतक छात्र पीयूष (18) पिता कमलेश, मूल रूप से चितावद क्षेत्र का निवासी था। शुक्रवार रात को पढ़ाई के दौरान उसकी तबीयत अचानक खराब हुई, जिसके बाद उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मृतक पीयूष के मौसेरे भाई धर्मेंद्र ने बताया कि वह पढ़ाई में बेहद होशियार था और 10वीं कक्षा में उसे 98 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए थे।

इंदौर में धूमधाम से मन रही हनुमान जयंती निकली प्रभातफेरियां, मंदिरों में हुई आरती

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में शनिवार को हनुमान जयंती की धूमधाम रही। मंदिरों में जहां विशेष आरती हुई, वहीं सुबह प्रभातफेरियां भी निकली। इसके अलावा भंडारों का दौर भी शुरू हुआ। शहर के प्रसिद्ध रणजीत हनुमान मंदिर में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर में सुबह विशेष आरती हुई। मोगरे के फूलों से मंदिर का श्रृंगार किया गया। इसके अलावा मथुरा से तैयार की गई विशेष पोशाख बाबा का पहनाई गई। बाबा के लिए सात फीट लंबी इलायची की माला तैयार की गई है।

सुबह जन्मोत्सव पर विशेष आरती में हजारों भक्त शामिल हुए। मंदिर के आसपास के हिस्से को भी भगवा पताका से सजाया गया है। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटने लगी थी। यह सिलसिला रात तक चलता रहेगा। गर्मी के मौसम को देखते हुए मंदिर परिसर में टेंट लगाया गया है। इसके अलावा 40 से ज्यादा कूलरों की व्यवस्था की गई है।

पितृ पवर्त पर सुबह हुई महाआरती

इंदौर के पितृ पर्वत पर हनुमान की अष्ठधातु की प्रतिमा स्थापित है। जयंती के मौके पर बाबा के विशेष श्रृंगार हुआ। सुबह महाआरती हुई। शुक्रवार रात को भजन संध्या का आयोजन भी किया गया था। जिसमें नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भजन सुनाए। इसके अलावा इंदौर के वीर आलीजा हनुमान मंदिर में हनुमान प्रतिमा का स्वर्ण श्रृंगार किया गया। यह फूल बंगला सजाया गया है। शाम को मंदिर में भंडारे के आयोजन होगा। इसके लिए पूरे परिसर को गोबर से लीपा गया है।

पत्रकारिता महोत्सव में पर शहर के सक्रिय 61 मीडियाकर्मी और 11 फोटोग्राफर सप्तऋषि सम्मान से सम्मानित हुए

ग्लोबल हेराल्ड के प्रदेश संपादक दिलीप शर्मा सम्मानित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पत्रकारिता महोत्सव में वरिष्ठ पत्रकार दिलीप शर्मा का सम्मान करते सांसद शंकर लालवानी, भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा व समाजसेवी प्रवीण कक्कड़

भारतीय पत्रकारिता महोत्सव की पूर्व संध्या पर स्टेट प्रेस क्लब म. प्र. ने शहर के सक्रिय 61 मीडियाकर्मी और 11 फोटोग्राफर को सप्तऋषि सम्मान से सम्मानित किया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी थे। अध्यक्षता समाजसेवी प्रवीण कक्कड़ ने की। विशेष अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा प्रदेश भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा और पूर्व अध्यक्ष चिंटू वर्मा थे।

इस मौके पर अतिथियो ने कहा कि इंदौर कीपत्रकारिता का इतिहास समद्ध रहा है और यहाँ राहुल बारपुते, राजेंद्र माथुर, प्रभाष जोशी, माणकचंद वाजपेयी, रमेशचंद्र अग्रवाल, अभय छजलानी , वेदप्रताप वैदिक जैसे मूर्धन्य सम्पादक रहे हैं जिन्होंने अपने श्रम और लेखनी से पत्रकारिता को सींचा ऐसे मूर्धन्य पत्रकारो की परम्परा को अब आगे बढ़ाने का कार्य नई पीढी कर रही है। इस तरह के आयोजनों से जहां श्रेष्ठ पत्रकारों को प्रोत्साहन मिलता है वही उनके ज्ञान में श्रीवृद्धि होती है। अतिथि स्वागत स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष मप्र प्रवीण खारीवाल,संयोजक सुदेश तिवारी, सचिव आकाश चौकसे और अजय भट्ट ने किया। कार्यक्रम का संचालन आलोक वाजपेयी ने किया। आभार महासचिव नवनीत शुक्ला ने व्यक्त किया।कार्यक्रम में सहित बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पेड़ों को बचाने के लिए आज बड़ा प्रदर्शन... भोपाल, हैदराबाद के बाद इंदौर की बारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

हुकुमचंद मिल और शहर में अंतिम सांसें गिन रही हरियाली को बचाने के लिए जन आंदोलन की तैयारी शुरू हो गई है। इस आंदोलन की शुरूआत कल रीगल चौराहे पर विशाल मानव श्रंखला से होने जा रही है। यह श्रंखला 13 अप्रैल रविवार को कल शाम 5 बजे बनाई जाएगी।

पर्यावरण प्रेमी संस्थाओं का कहना है शहर को हरा भरा रखने वाले यह पेड़ सिर्फ पेड़ नहीं हैं बल्कि यह शहर के फेफड़े हैं। इनकी बदौलत ही हम सब साफ स्वच्छ सांसें ले पाते हैं। शहर में सिर्फ 9 प्रतिशत हरियाली बची है मगर किसी न किसी बहाने इसे खत्म किया जा रहा है। शहर के प्रबुद्ध जागरूक नागरिकों का कहना है कि सरकार विकास के बहाने शहरवासियों की सांसों का व्यापार बंद होना चाहिए। आंदोलन से शहर की कई बड़ी संस्थाएं जुड़ गई हैं। सभी ने मिलकर इसे पर्यावरण प्रेमी नागरिक मंच नाम दिया है। कल विशाल मानव श्रंखला से जन आंदोलन की शुरूआत करने वाले पर्यावरण प्रेमी संस्था का कहना है यह जन-आंदोलन किसी एक संगठन, एक संस्था या किसी पार्टी का नहीं बल्कि हर घर, हर परिवार, हर शहर वासी का है।

धार्मिक प्रवचनों के बीच, गूंजे साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूकता के भी मंत्र

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर श्री राजेश दंडोतिया टीम के साथ परदेशीपुरा स्थित विश्वकर्मा सुमन वाटिका गार्डन में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के कार्यक्रम में पहुंचकर, वहां उपस्थित करीब 200 वरिष्ठ नागरिकों व श्रोताओं को विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों की जानकारी दी और साइबर अपराध होने पर साइबर हेल्पलाइन-1930, इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 7049124445 आदि पर किस प्रकार शिकायत करें तथा पुलिस इन पर किस प्रकार कार्यवाही करती है आदि के संबंध में, व्यहवारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सभी से कहा कि वर्तमान में लगभग अधिकतर कार्य और विशेषकर बैंकिंग कार्य ऑनलाइन हो गया है, इसी का दुरुपयोग कर साइबर क्रिमिनल्स बैंकिंग और फाइनेंशियल फ्रॉड पर ही सबसे ज्यादा फोकस्ड कर, लोगों को लालच देकर और डर दिखाकर तथा हमारी गलतियों का फायदा उठाकर फेक कॉल्स व फर्जी लिंक और नए-नए विभिन्न तरीको से अपने जाल में फंसा विभिन्न फाइनेंशियल और डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन जैसे फ्रॉड कर रहे है। सतर्कता और जागरूकता से ही इससे बचा जा सकता है। इसलिए हम जागरूक और सतर्क रहकर पूरी सावधानी के साथ ऑनलाइन फाइनेंशियल काम करें , फर्जी कॉल व लिंक एवं फर्जी निवेश ऑफर से बचकर रहे, सोशल मीडिया पर भी ध्यान रखें तथा अपनी निजी जानकारी किसी से भी शेयर नहीं करें।

पद्मश्री जनक पलटा से 23 लाख की ठगी, एसबीआई मैनेजर पर सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी जनक पलटा के साथ हुए धोखाधड़ी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बड़ा कदम उठाया है। भारतीय स्टेट बैंक के एक सीनियर असिस्टेंट मैनेजर के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह धोखाधड़ी उस समय की गई जब आरोपी बैंक अधिकारी इंदौर की बिचौली मदार्ना शाखा में पदस्थ थे।

आरोपी बैंक मैनेजर दिनेश डोंगरे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जनक पलटा ने 1 जून 2020 को स्पेशल टर्म डिपॉजिट रिसिप्ट करवाया था। इस डिपॉजिट से डोंगरे ने 23.47 लाख रुपये की राशि अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी। इनमें से 10 लाख रुपये उन्होंने निकाल भी लिए। डोंगरे ने मैच्योरिटी से पहले ही 10 लाख रुपये पंकज जीनवाल के खाते में ट्रांसफर किए, फिर उस खाते में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर ओ.टी.पी प्राप्त किया और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए धोखाधड़ी को अंजाम दिया। स्टेट बैंक को जब इस मामले की शिकायत मिली तो बैंक ने इस पर तुरंत एक इंटरनल जांच टीम गठित की। इस दौरान बैंक की संबंधित शाखा का ऑडिट भी कराया गया।

सही राह दिखाने वाला ही हितैषी है...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, मेरे जीवन का तो यही अनुभव है कि सामान्यत: रोजमर्रा के जीवन में विरोध करने वाला हमारा शत्रु नहीं होता, बल्कि ग़लत कार्यों में समर्थन करने वाला हमारा वास्तविक शत्रु होता है। लेकिन अगर आप गौर से अपने जीवन को और अपने आस-पास मौजूद लोगों के जीवन को देखेंगे तो पायेंगे कि ज्यादातर लोग अक्सर ऐसे लोगों से घिरे रहते हैं, जो हर बात पर सहमति जताते हैं, फिर चाहे वह सही हो या गलत। लेकिन क्या ऐसे लोग वास्तव में हमारे शुभचिंतक होते हैं? मेरी नजर में तो नहीं क्योंकि सच्चा मित्र वही होता है, जो हमारी गलतियों को इंगित कर हमें सही राह पर ले जाने का प्रयास करे ना कि हर बात में सिर्फ़ हाँ में हाँ मिलाये। मेरी बात से सहमत ना हों दोस्तों, तो इतिहास उठा कर देख लीजिएगा, जिस किसी ने मित्र को पहचानने में गलती करी है, उसने जीवन में गंभीर परिणाम भुगते हैं। अपनी बात को मैं आपको महाभारत और रामायण के किस्सों से समझाने का प्रयास करता हूँ। महाभारत में महात्मा समान ज्ञानी और नीतिवान विदुर जी ने दुर्योधन को कई बार समझाने का प्रयास करते हुए बड़े स्पष्ट तौर पर कहा, दुर्योधन! धर्म और सत्य का पालन ही राजधर्म है। परंतु दुर्योधन ने उनकी यह सलाह नहीं मानी, तब विदुर जी ने दुर्योधन को चेतावनी तक देते हुए बताया कि अन्याय और अधर्म का मार्ग उसे विनाश की ओर ले जाएगा। लेकिन इस बार भी अहंकारी दुर्योधन ने उनकी बातों को अनसुना कर दिया और अपने मामा शकुनि की बातों में बह गया। परिणामस्वरूप, कौरव वंश का विनाश हो गया। यदि दुर्योधन ने विदुर की बात मानी होती, तो महाभारत का युद्ध ही न होता और हजारों निर्दोष लोग मारे न जाते। इसी तरह, रामायण में विभीषण ने अपने भाई रावण को सही राह दिखाने की कोशिश की। उन्होंने कई बार उसे समझाया कि माता सीता का अपहरण करना अधर्म है और श्रीराम के साथ युद्ध विनाश का कारण बनेगा। लेकिन रावण ने अपने अहंकार और झूठे अभिमान के कारण विभीषण की बात को नकार दिया और अंतत: उसका सर्वनाश हो गया। इन दोनों उदाहरणों से यह एकदम स्पष्ट हो जाता है कि सच्चा मित्र वही होता है जो हमें अपनी ग़लतियों का एहसास करवाये। दोस्तों, ग़लत सलाह मानने के साथ ही ग़लत का समर्थन करना भी अंतत: नुकसानदायक ही सिद्ध होता है। कई बार हम अपने प्रियजनों की गलतियों को यह सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि 'कहीं वे हमसे नाराज न हो जाएं।' लेकिन अगर आप गहराई से इस इस विषय में सोचेंगे तो पायेंगे कि ऐसा करना कहीं ना कहीं उनके और आपके लिए और भी ज्यादा हानिकारक सिद्ध हो सकता है। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि आपका कोई मित्र नशे की लत में पड़ रहा है। यदि आप उसे यह सोचकर कुछ न कहें कि वह आपसे नाराज न हो जाए, तो आप उसके सच्चे मित्र नहीं हैं। बल्कि, एक सच्चा मित्र वही होगा जो उसे रोके, उसे सही मार्ग दिखाए, और उसे बुराई से बचाने का प्रयास करे। इसी तरह, किसी कर्मचारी को यदि उसका सहकर्मी गलत तरीकों से पैसे कमाने की सलाह देता है, और वह सहकर्मी इस पर सहमति जताता है, तो वह कुल मिलाकर दोनों का भविष्य अंधकारमय बनाता है। इसलिए ही कहते हैं, सच्चा मित्र वही होता है, जो गलत को गलत कहने की हिम्मत रखे और अपने साथी को सही राह पर चलने की प्रेरणा दे। वास्तव में, किसी के गलत कार्य में मौन रहकर या उसका समर्थन करके हम उसे और अधिक नुकसान पहुँचा रहे होते हैं। दोस्तों, जीवन में सच्चा मित्र वही जो हमारे भले के लिए हमें टोकने का साहस रखे। यदि कोई व्यक्ति हमारे गलत कार्यों में हमारा समर्थन करता है, तो वह हमारा मित्र नहीं, बल्कि सबसे बड़ा शत्रु है। इसलिए हमें अपने आसपास उन लोगों को महत्व देना चाहिए, जो हमें सत्य की राह दिखाएं, न कि उन लोगों को जो हमें विनाश के मार्ग पर ले जाएं। याद रखिएगा दोस्तों, जो व्यक्ति हमें अधर्म से रोकता है, हमें ईश्वर से जोड़ता है, और हमें सदैव सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा देता है, वही हमारा सच्चा मित्र होता है।

इंदौर जिले में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई प्रारंभ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में फसलों की कटाई के बाद खेतों में नरवाई (अवशेष) जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख़्ती दिखाई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिलेभर में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का सिलसिला प्रारंभ किया गया है।

प्रशासन द्वारा अब तक नरवाई जलाने के 77 मामलों में पंचनामे तैयार किए गए हैं। संबंधित कृषकों के विरुद्ध नियमानुसार अर्थदंड की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नरवाई जलाने की घटनाओं पर सतत निगरानी रखी जाए तथा दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें। नरवाई जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके वैकल्पिक उपयोग के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं। वर्तमान में यह देखने में आ रहा है कि किसानों के द्वारा फसल अवशेषों में आग लगाई जा रही है। इस संबंध में क्षेत्रीय अमला जिसमें कृषि, राजस्व एवं पंचायत विभाग शामिल है। पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना का उल्लघंन पाए जाने पर मौके पर जाकर पंचानामें बनाए जा रहे हैं। आज दिनांक तक जिले की समस्त तहसीलों में कुल 77 पंचानामें तैयार किए गए है। जिन पर आगामी दिनों में मध्यप्रदेश शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय
Government of India | भारत सरकार

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

सहकार से समृद्धि

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

एवं

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड तथा मध्यप्रदेश सरकार के मध्य

सहकार्यता अनुबंध निष्पादन कार्यक्रम

डेयरी किसानों से दूध की खरीदी सुनिश्चित कर उनकी आय में वृद्धि की अहम पहल

मुख्य अतिथि
अमित शाह
केन्द्रीय मंत्री, गृह एवं सहकारिता मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

13 अप्रैल, 2025 | दोपहर 1:00 बजे | रवीन्द्र भवन, भोपाल

साँची Sanchi

हर ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर होंगे स्थापित

- दुग्ध उत्पादकों को उनके **द्वार पर ही दूध विक्रय** की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी
- 6 हजार दुग्ध समितियों को बढ़ाकर 9 हजार एवं दुग्ध संकलन 10 लाख से 20 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य। **18 हजार गांव होंगे लाभान्वित**
- को-ऑपरेटिव-पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सहकारी समितियों को उपलब्ध कराये जायेंगे व्यवसाय के नए अवसर

प्रदेश के साँची ब्रांड की पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में कदम...

- ₹ 2500 करोड़ के निवेश लक्ष्य से प्रत्येक जिले में **साँची डेयरी** के साथ **मिल्क कूलर, मिनी डेयरी** एवं **चिलिंग सेंटर** खोले जायेंगे
- साँची डेयरी संयंत्रों की क्षमता में वृद्धि करते हुए 18 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 30 लाख लीटर किया जायेगा
- **आय में वृद्धि**, डेयरी किसानों की आय ₹ 1700 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 3500 करोड़ करने का लक्ष्य

₹ 787 करोड़ के निवेश से दुग्ध प्रसंस्करण के लिए विकसित होगी बुनियादी अवसंरचना

- दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु नवीन योजना **"डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना"** की स्वीकृति। योजना में 25 दुधारू पशुओं की ₹ 42 लाख तक लागत की डेयरी इकाई लगाने के लिए ऋण सहायता
- स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति - 2025 अंतर्गत प्रदेशभर में **पीपीपी मोड पर स्वावलंबी गौशाला** का निर्माण किया जाएगा
- गौशाला में प्रति गाय दी जाने वाली **₹ 20 की राशि बढ़ाकर ₹ 40** की गयी है

D-11007/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

पापा को मारना होगा, नहीं तो वे हमें मार डालेंगे, बेटी ने प्रेमी से कहा, फिर खेला खूनी खेल

प्रेम प्रसंग में बाधक बन रहे पिता की बेटी ने प्रेमी से कराई हत्या

पन्ना ■

प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे पिता की बेटी और उसके प्रेमी ने मिलकर हत्या कर दी। बेटी ने पिता को नींद की गोलियां दी, उसके सोने के बाद प्रेमी को बुलाया और घर से चली गई। इसके बाद प्रेमी ने प्रेमिका के पिता गर्दन काट दी। देश भर में प्रेम प्रसंग में आए दिन हत्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। इन मामलों में कहीं पत्नी प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार देती है तो कहीं पति पत्नी की हत्या कर देता है। अब मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में एक बेटी ने अपने प्रेमी से पिता की हत्या करा दी। इसके लिए दोनों ने पहले योजना बनाई, बेटी ने पिता को नींद की गोलियां दी, उसके सोने के बाद प्रेमी को बुलाया और घर से चली गई। इसके बाद प्रेमी ने कुल्हाड़ी से प्रेमिका के पिता गर्दन काट दी। आइए, जानते हैं इस रुह कंपा देने वाली वारदात की कहानी, जिसने रिश्तों का खून कर दिया गया।

दरअसल, पन्ना जिले के धरमपुर थाना क्षेत्र में आठ अप्रैल की रात ग्राम रमजुपुर में रामकेश यादव की हत्या कर दी गई। सुबह रामकेश का शव खून से लतपथ हालत में चारपाई पर पड़ा मिला। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच में सामने आया कि धारदार हथियार से सोते समय रामकेश की गर्दन पर वार किया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। वारदात की सूचना पर एसपी सांई कृष्ण एस. थोटा मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम का गठन किया। टीम में रामकेश की हत्या की जांच शुरू की। इस दौरान मृतक रामकेश की बेटी का प्रेम प्रसंग ग्राम पंचमपुर राजू डुमार पिता आनंदी डुमार (35) से होने की बात सामने आई। पुलिस को मामले में राजू की भूमिका संदिग्ध नजर आई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। प्रेम प्रसंग के कारण ही रामबाई और राजू ने रामकेश की हत्या की थी। राजू ने बताया कि रामकेश दोनों के प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहा था, इसी कारण उन्होंने उसकी हत्या कर दी। रामबाई ने पिता रामकेश को नींद की गोलियां दे दीं, जिसके बाद राजू ने कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार कर रामकेश को मौत के घाट उतार दिया और मौके से फरार हो गया।

सो रहे पिता को दी मौत

आरोपी राजू डुमार ने पुलिस से कहा कि रामबाई ने कॉल पर मुझे बताया कि उसके पास नींद की गोली रखी हैं। जिन्हें मैं पापा को खिला दूंगी, फिर तुम रात में आना और उन्हें सोते समय मारकर चले जाना। आठ अप्रैल की रात 10 बजे रामबाई ने मुझे कॉल कर कहा कि घर आ जाओ, मैनें पापा को नींद की गोली खिला दी हैं, वे गहरी नींद में सो गए हैं। मैं रामबाई के घर पहुंचा तो उसने कहा कि मैं महुआ बीनने के लिए जा रही हूं। मेरे जाने के बाद तुम पापा को मार देना। इसके बाद मैनें (राजू) सो रहे रामकेश की गर्दन पर कुल्हाडी से एक बाद एक कई वार किए, जिससे उसकी गर्दन कट गई, उसके मरने के बाद मैं मौके से फरार हो गया। आरोपी राजू के जुर्म कबूल करने के बाद पुलिस ने रामबाई यादव पिता रामकेश यादव (30) को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया।

आरोपी की जुबानी हत्या की कहानी...

आरोपी राजू डुमार ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मैं और रामकेश यादव पंचमपुर भाट के पहाड़ पर साथ में बकरियां चराने जाते थे। वहां रामकेश की बेटी रामबाई अपने पिता को खाना देने आती थी। इस दौरान राजू उसकी रामबाई से दोस्ती हो गई, जो बाद में प्यार में बदल गई। करीब तीन साल से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था, लेकिन इस बात की भनक रामबाई के पिता रामकेश को लग गई। उसने रामबाई को इसे लेकर फटकार लगाई। जिसकी जानकारी रामबाई ने उसे कॉल पर दी। घटना के तीन-चार दिन पहले रामबाई ने कॉल कर मुझे बताया कि पापा ने मुझे तुमसे दूर रहने के लिए कहा है। उनका (रामकेश) कहना है कि अब अगर, एक-दूसरे से मिले तो मैं दोनों को जान से मार दूंगा। रामबाई से मैनें पूछा कि क्या करना है तो उसने कहा कि पिताजी अब हमें मिलने नहीं देंगे, अगर हमने उन्हें नहीं मारा तो वे हम दोनों को मार डालेंगे। इसके बाद और हमने उनकी हत्या की साजिश रची।

स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 60 नर्सिंग होम्स और अस्पतालों का पंजीयन किया गया निरस्त

ग्वालियर ■

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर डॉक्टर सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि मप्र उपचयागृह तथा रुजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1993 तथा नियम 1997 यथा संशोधित विधेयक 2008 एवं 2021 में निहित अधिनियम के अंतर्गत पंजीयन का नवीनीकरण प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल में किया जाना अनिवार्य है। इसके लिए नियम, 1997 के उप नियम 6 (1) अनुसार 31 मार्च के न्यूनतम एक माह पूर्व ऐसे समस्त निजी स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन नर्सिंग होम पोर्टल के माध्यम से पर्यवेक्षी प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाना होता है। अधिनियम की धारा तीन के अनुसार बिना वैद्य पंजीयन के नर्सिंग होम का संचालन नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, मध्यप्रदेश भोपाल के निदेशानुसार ग्वालियर 27 दिसंबर के द्वारा 31 मार्च 2024 को वैद्यता समाप्त होने वाले समस्त प्राइवेट नर्सिंग होम एवं क्लीनिक, ग्वालियर को पत्र जारी कर सूचित किया गया था कि 28 फरवरी 2024 के मध्यरात्रि 12 बजे ऑनलाइन आवेदन करने हेतु पोर्टल बंद हो जाएगा। राज्य शासन द्वारा पुनः अनुमति देते हुए 31 मार्च 2025 तक पोर्टल चालू किया गया था। किंतु निम्नानुसार नर्सिंग होम, अस्पतालों के द्वारा समय सीमा में नर्सिंग होम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस कारण से निम्न 60 नर्सिंग होम, अस्पताल का पंजीयन लाइसेंस स्वतः निरस्त होकर पोर्टल से विलोपित हो गया है। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि उक्त कारणों को दृष्टिगत रखते मप्र उपचयागृह तथा रुजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1993 तथा नियम 1997 यथा संशोधित विधेयक 2008 एवं 2021 में निहित प्रावधानों के अंतर्गत 60 नर्सिंग होम, अस्पतालों का पंजीयन लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त किए गए हैं।

इनके हुए पंजीयन निरस्त

सहज शिक्षा लोक कल्याण समिति द्वारा संचालित आदर्श अस्पताल, अवध माधव शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा संचालित अंबिका मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, अनमोल अस्पताल, आराध्या मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, प्रयास शिक्षा प्रसार एवं समाज कल्याण समिति द्वारा संचालित बालाजी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल, स्टार शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित भारत अस्पताल, बुंदेलखंड अस्पताल, चंबल अस्पताल और जीवन विज्ञान, चांदक अस्पताल और अनुसंधान संस्थान, चिरंजीवी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, जीडी हॉस्पिटल, गैलेक्सी हॉस्पिटल रन वाय जीवन प्रकाश समिति, गोविंद हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, ग्वालियर सिटी हॉस्पिटल, ग्वालियर हॉस्पिटल, ग्वालियर हॉस्पिटल रन वाय श्री भंवर सिंह किरार शिक्षा एवं प्रसार समिति, हंसराज मेमोरियल हॉस्पिटल, जय महालक्ष्मी हॉस्पिटल, जेम्स हॉस्पिटल, केएम हॉस्पिटल, कल्पना बाजपेई मेमोरियल हॉस्पिटल रन वाय गार्गी।

एमपी में किया हनुमानजी का सूर्य तिलक, मंदिर में दिखा अयोध्या जैसा नजारा

विदिशा■

एमपी के विदिशा में शनिवार को अयोध्या के श्रीराम मंदिर जैसा नजारा दिखा। जैसे वहां श्रीराम का सूर्य तिलक किया गया था वैसे ही यहां रामभक्त हनुमान का सूर्य तिलक किया गया। हनुमान जयंती के मौके पर यह विशेष आयोजन किया गया। विदिशा के रंगई स्थित श्री दादाजी सिद्ध मनोकामना पूर्ण हनुमान मंदिर में यह दृश्य देखने बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। मंदिर समिति ने दावा किया कि देश का यह पहला हनुमान मंदिर है जहां बजरंगबली का सूर्य तिलक किया गया। विदिशा भोपाल मार्ग पर बेतवा नदी किनारे के रंगई मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने के बाद प्रसाद चढ़ाने आए।

हनुमानजी के 500 वर्ष पुराने

मंदिर में 12 अप्रेल का दिन बेहद खास रहा। दोपहर के ठीक 12 बजते ही हनुमानजी की मूर्ति का माथा जगमगा उठा। हनुमानजी का सूर्य तिलक किया गया जिसे देखते ही भक्त जयकारे लगाने लगे। विशेष ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम का इस्तेमाल कर सूर्य की किरणें हनुमानजी के मस्तक पर डाली गईं। रंगई मंदिर सेवा समिति ने इसके लिए विशेष रूप से बैंकॉक, थाईलैंड से पेरिस्कोप मंगाए। हनुमान जन्मोत्सव पर गर्भगृह में दोपहर ठीक 12:00 बजे मूर्ति पर सूर्य किरणें आईं। 40 फीट लंबे 2.5 इंच के पाइप से सूर्य किरणों को मूर्ति के माथे पर सजाया गया। इस मौके पर मंदिर को भी 1.25 लाख राम नाम की पर्चियों से सजाया गया।

मंदिर सेवा समिति का बड़ा दावा

अयोध्या के श्रीराम मंदिर के बाद हनुमानजी के इस मंदिर में उसी पद्धति से सूर्य तिलक किया गया। रंगई मंदिर सेवा समिति ने दावा किया कि विदिशा का श्री दादाजी सिद्ध मनोकामना पूर्ण मंदिर ऐसा पहला मंदिर है जहां हनुमानजी का सूर्य तिलक किया गया है।

एमपी में अफसर को महंगी पड़ी मंत्री की नाराजगी

शिवपुरी ■

एमपी के एक अफसर को प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री की नाराजगी महंगी पड़ गई। राज्य सरकार ने सख्ती दिखाते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल को शिवपुरी में आयोजित एक कार्यक्रम में पौधरोपण के लिए कहा गया तो वे अचरज में पड़ गए।

भरी गर्मी में पौधे रोपने की बात सुनकर उन्होंने न केवल इससे मना किया बल्कि अधिकारियों के इस रवैए के प्रति भी गुस्सा जताया। अब गर्मी में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित करने के जिम्मेदार अफसर पर गाज गिर गई है। शिवपुरी के पोहरी के जनपद पंचायत सीईओ गिर्राज शर्मा को निलंबित कर दिया गया है। बिना अनुमति पौधरोपण कार्यक्रम कराने के आरोप में ये कार्रवाई की गई है। मंत्री प्रहलाद पटेल ने इसपर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताई थी जिसके बाद

विभाग की छवि खराब करने का आरोप

जनपद पंचायत सीईओ गिर्राज शर्मा पर पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की छवि खराब करने का आरोप लगा है। कहा गया कि पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित कर उन्होंने मंत्रालय की गाइड लाइन का सरासर उल्लंघन किया। सीईओ ने न केवल बिना अनुमति के यह कार्यक्रम रखा बल्कि इसके लिए ग्रामीणों को भी गुमराह करते हुए बुलाया। विभाग ने इस लापरवाही की वजह से उनपर निलंबन की कार्रवाई की। शुक्रवार को जलगंगा संवर्धन कार्यक्रम में शामिल होने मंत्री प्रहलाद पटेल शिवपुरी के देवपुरा पहुंचे थे। यहां अव्यवस्थाओं को लेकर वे नाराज हुए और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। विशेष तौर पर पौधरोपण को लेकर गुस्सा जताते हुए कहा कि गर्मियों में कौन पौधे रोपता है? 20 जून के बाद पौधरोपण करेंगे।

भोपाल स्टेशन पर चलती ट्रेन से गिरते ही आरपीएफ जवान ने थामा हाथ, सतर्कता से बचाई यात्री की जान

भोपाल ■

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक जवान की सतर्कता और तत्परता ने एक बड़ा हादसा होने से रोक दिया। भोपाल रेलवे स्टेशन पर तैनात प्रधान आरक्षक नितिन अमरोही ने चलती ट्रेन से गिरते हुए एक यात्री को बचा लिया।

यह घटना गाड़ी संख्या 20103 गोरखपुर एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म नंबर 2 से रवाना होते समय की है। विदिशा

निवासी राहुल सिंह राजपूत ट्रेन के स्लीपर कोच के पायदान पर बैठा हुआ था। जैसे ही ट्रेन धीरे-धीरे गति पकड़ने लगी, वह असंतुलित होकर नीचे गिरने लगा। उसी समय प्लेटफॉर्म पर ड्यूटी पर मौजूद प्रधान आरक्षक नितिन अमरोही ने स्थिति को तुरंत भांपते हुए बिना एक पल गंवाए सक्रिय हुए और गिरते हुए यात्री का हाथ पकड़कर उसे ट्रेन के नीचे आने से बचा लिया। उनके इस साहसिक प्रयास के चलते यात्री सुरक्षित है और उसे कोई चोट नहीं आई। यदि यह त्वरित प्रतिक्रिया नहीं होती, तो यह घटना गंभीर दुर्घटना में बदल सकती थी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधान आरक्षक नितिन अमरोही द्वारा समय पर की गई कार्रवाई अत्यंत सराहनीय है और यह समस्त सुरक्षा बल के लिए प्रेरणास्रोत है। वहीं, मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल निरंतर यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रयासरत है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान दरवाजों या पायदानों पर बैठने से बचें और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

आधुनिकता की चकाचोंध में स्वार्थी व आत्मकेन्दित होता इन्सान?

नरेन्द्र भारती
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

आधुनिकता की चकाचैंध मे आदमी इतना व्यस्त हो गया है कि उसे दूसरों के बारे मे सोचने का समय ही नहीं है,कि कौन मर रहा है और कौन जी रहा है। एक समय था कि आदमी ही आदमी के काम आता था मगर आज ऐसी हवा चल पडी.है कि कोई किसी का नहीं है। हर इन्सान मौकापरस्त हो गया है काम निकल जाने पर पहचानने से इन्कार करता है। आज अच्छा करने वाले कम तो बुरा करने वाले अधिक है। जरुरतमंद इन्सान की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म है मगर आज लोगों के पास अनैतिक व अवैध कार्यों के लिए समय है मगर एक मजबूर व लाचार की सहायता के लिए समय नहीं है।कुछ दोहरे चरित्र के लोग जो समाजसेवक का चोला ओढ़ते है और समाज के हितैषी बनने का ढौग रचते है अपने काम कि लिए तो साम,दाम दंड,भेद की नीतियां अपनाते है मगर दूसरों के कामों के लिए समय नहीं है।

रिश्वत व अवैध कार्य करके अपने बच्चों काम करवा रहे है जबकि एक प्रतिभावान पिछड रहा है।आज इन्सान स्वार्थी व आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है वह अपने घर तक ही सीमित होकर रह गया है।कहते है कि किसी का अच्छा करने के लिए बड़ा दिल होना चाहिए।आज कोई किसी को अच्छी सलाह तक देने से गुरेज करता है। आज का इन्सान खुदगर्ज बनता जा रहा है,आज एक गरीब व प्रतिभासम्पन्न आदमी की कोई कद्र नहीं है।आज के आधुनिक इंसानों में संवेदनाएं मरती जा रही है और संवेदनहीनताएं बढ़ती जा रही है। इंसान माया के जाल में इतना उलझा हुआ है कि उसके आगे इंसान को बौना समझता है।इस माया के तराजू पर रिशते तोले जा रहे है।माया के लिए न तो समाज की परवाह है और नही भगवान का डर है।आज माया के कारण रिश्ते टूटते जा रहे है। मगर कहते है कि रिश्ते अगर एक बार टूट जाए और बाद में मिल भी जाए तो दरारें कभी नहीं भरती।माया के कारण इंसान अंधा होता जा रहा है और अपना विवेक खो चुका है। माया इकठठी करने के चक्कर में आज आदमी इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिए समय नहीं है। यह घटिया किस्म के माया के भूखे लोग एक दिन भूखे ही मर जाएगें। पैसे से बड़ा चरित्र होता है मगर माया के अन्धे लोगों को इससे कोई सरोकार नहीं होता। विडवंना देखिए कि आज मानव माया को ही सब कुछ मान बैठा है।कुछ तथाकथित अमीर आज मजदूरों की कमाई से महल बना रहे है मगर जिस दिन यह मजदूरों का पसीना अपना रंग दिखाएगा महल धराशायी हो जाएगें। मजदूरों को उनकी मेहनत का पुरा पैसा नहीं मिलता है धन्नासेठ बने लोग मजदूरों की गाढ़ी कमाई से ऐश कर रहे है मगर कहते है जो मजदूरों का हक मारता है ईश्वर उसे जरुर सजा देता है।मजदूरों की पसीने की कमाई से अपने बच्चों को हाई-फाई स्कूलों पढ़ा रहे है और मजदूरों के बच्चे तरस रहे है।आज ऐसे लोग जो कभी रोटियों को तरसते थे आज यही तथाकथित व माया के कारण अन्धे हुए अमीर लोग ऐसे इतराते है जैसे कुबेर के खानदानी हैं। आज मानव इंटरनैट की दुनिया में मस्त है।चैबीस घंटों मोबाइल से खेल रहाहै।संवेदनहीनता की हदें पार होती जा रही है कुछ तथाकथित लोग लक्षमण रेखा लांघ रहे हैं शमशान घाट पर भी फेसबुक पर व्यस्त रहते है पिछले दिनों एक नौजवान की असमसयिक मौत हो गई।रात का समय था श्मशान घाट में शवयात्रा में शामिल हुए वहां पर कुछ युवक तीन-चार घंटे मोबाईल पर मस्त रहे उनमें जरा भी संवेदना नहीं थी कि एक नौजवान की मौत हुई हैं। कुछ दिन पहले बीमारी से एक महिला की मौत हो गई अभी उसकी मौत का दो दिन नही बीते थे की तीसरे दिन महिला के पड़ोस में एक शादी हो गई। शादी वालों ने जोर-जोर से डीजे लगाया उनमें जरा भी सवेदना नहीं कि घर के सामने किसी की मौत हुई है और वह नाच गाने में मस्त है।खुशी में मस्त लोगों को सोचना चाहिए कि

अगर कल को उनके घर में ऐसा मातम छा जाए और पडोसी ऐसा करे तो उनके दिल पर क्या गुजरेगी।ऐसा नहीं करना चाहिए समय-समय पर समाज में ऐसे उदाहरण मिलते रहतें है।आज लोग अन्न की बरबादी कर रहे हैं।आज पता नहीं कितने ही लोग भूखे मर रहे है।अन्न की बरबादी से तो अच्छा है कि किसी भूखे को दे दिया जाए।आज शहरों से लेकर गांव की नालियों में जूठन बहती है।आज लोग चंद स्वार्थों के लिए असभ्य व गंदे लोगों का साथ देते है।आदमी पैसे के पीछे ऐसे भाग रहा है कि बच्चों के लिए समय नहीं है छोटे-छोटे नवजात बच्चों को आया के पास छोड़ देते है और खुद पैसा कमाने चले जाते है बच्चों को क्रेचों में भेज दिया जाता है।पैसा कमाने के चक्कर में बच्चों की परवाह नहीं है।आज बच्चों को मां-बाप का प्यार नहीं मिल रहा है।माया के कारण आज आदमी इतना मस्त है कि बीमार बाप को दवाई लाने व अस्पताल ले जाने का समय नहीं है अरे जिन माता- पिता ने संसार दिखाया आज उन्ही के लिए समय नहीं है ऐसे औलादें इन्सान नहीं राक्षस हैं। आज बुजुर्ग दाने-दाने का मोहताज है। कलयुगी श्रवणों का बोलबाला है।आज संतानें मां-बाप को वृद्ध आश्रमों में भेज रही हैं। शायद यह बुजुर्गों का दुर्भागय है कि जिन बच्चें की खातिर भूखे प्यासे रहे ,पेट काटकर जिन्हे सफलता दिलवाई आज वही संतानें घातक सिद्व हो रही हैं। मां-बाप दस बच्चों को पाल सकते हैं ,लेकिन दस बच्चे मां-बाप का बंटवारा कर रहे हैं। साल भर उन्हें महिनों में बांटा जाता है। वर्तमान परिवेश में ऐसे हालात देखने को मिल रहे है।बेशक ईश्वर ने संसार में करोडों जीव जन्तु बनाए ,लेकिन इनसान सबसे अहम कृति बनाई। लेकिन ईश्वर की यह कृति पथभ्रष्ट हो रही है। आज सड़को पर आदमी तड़फ-तड़फ कर मर रहा है। इनसान पशु से भी बदतर होता जा रहा है। क्योकि यदि पशु को एक जगह खूंटे से बांध दिया जाए,तो वह अपने आप को उसी अवस्था में ढाल लेता है। जबकि मानव परिस्थितियों के मुताबिक गिरगिट की तरह रंग बदलता है।आज पैसे का बोलबाला है। ईमानदारी कराह रही है। अच्छाई बिलख रही है ,भाईचारा ,सहयोग,मदद एक अंधेरे कमरे में सिमट गये हैं। आत्मा सिसक रही है। वर्तमान में अच्छे व संस्कारवान मनुष्य की कोई गिनती नहीं है। चोर उच्चकों ,गुंडे ,मवालिओं का आदर सत्कार किया जाता है। आज हंस भीड में खोते जा रहे हैं,कौओं को मंच मिल रहा है। हजारों कंस पैदा हो रहे हैं एक कृष्ण कुछ नहीं कर सकता। आज कतरे भी खुद को दरिया समझने लगे है लेकिन समुद्र का अपना आस्तित्व है। मानव आज दानव बनता जा रहा है। संवेदनाएं दम तोड रही हैं। मानव आज लापरवाही से जंगलों में आग लगा रहा है उस आग में हजारों जीव-जन्तु जलकर राख हो रहे हैं। जंगली जानवर शहरों की ओर भाग रहे हैं ,जबकि सदियां गवाह है कि शहरों व आबादी वाले इलाकों में कभी नहीं आते थे ,मगर जब मानव ने जानवरों का भोजन खत्म कर दिया। जीव-जन्तओं को काट खाया तो जंगली जानवर भूख मिटाने के लिए आबादी का ही रूख करेंगें। नरभक्षी बनेगें। आज संवेदनशीलता खत्म होती जा रही है। आज मानव मशीन बन गया है निजी स्वार्थो के आगे अंधा हो चुका है।अपने ऐशो आराम में मस्त है।दुनिया से कोई लेना देना नहीं है। संस्कारों का जनाजा निकाला जा रहा है। मयार्दाएं भंग हो रही हैं। मानव सेवा परम धर्म है। आज लोग भूखे प्यासे मर रहे हैं। दो जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भूखमरी इतनी है कि शहरों में आदमी व कुते लोगों की फैंकी हुई जूठन तक एक साथ खाते हैं।आज मानव भगवान को न मानकर मानव निर्मित तथाकथित भगवानों को मान रहा है। आज मानव इतना गिर चुका है कि रिश्ते नाते भूल चुका है। रिश्तों में संक्रमण बढता जा रहा है। मानव धरती के लिए खून कर रहा है। कई पीढियां गुजर गई मगर आज तक न तो धरती किसी के साथ गई न जाएगी। फिर यह नफरत व दंगा फसाद क्यों हो रहा है। मानव ,मानव से भेदभाव कर रहा है। उंच-नीच का तांडव हो रहा है। खून का रंग एक है फिर भी यह भेदभाव क्यों। यह बहुत गहरी खाई है इसे पाटना सबसे बडा धर्म है। आज लोग बिलासिता पर हजारों -लाखों रुपए पानी की तरह बहा देते हैं ,मगर किसी भूखे को एक रोटी नहीं खिला सकते। शराब पर पैसा उडा रहे हैं। अनैतिक कार्यो से पैसा कमा रहे हैं। पैसा पीर हो गया है मानवता की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

आइपीएल सट्टा खिलाते 2 बुकी लगे पुलिस के हाथ

सागर ■

देवरी थाना पुलिस ने आइपीएल क्रिकेट पर सट्टा खिलाने वाले दो आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े गए बुकी से एक नई सट्टा आइडी पुलिस को मिली है, जिसका नाम श्रीजी99 डॉट कॉम है। यह बुकी लोगों को ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए आइडी उपलब्ध कराते थे। पुलिस को आरोपियों के पास से मोबाइल और लाखों रुपए का हिसाब-किताब मिला है। हालांकि वह कहां से आइडी लेते थे, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सट्टे के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। वहीं मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि छोटू उर्फ तिलक पुत्र विजय यादव 27 साल क्रिकेट सट्टा की मास्टर आइडी से लोगों को सट्टा खिलाकर अवैध लाभ अर्जित करा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस झुनकू पुल के पास पहुंची और छोटू उर्फ तिलक को पकड़ लिया। आरोपी के मोबाइल में श्रीजी99 डॉट कॉम नाम की सट्टा आइडी खुली थी। आइडी पर सट्टा के लेनदेन का हिसाब था, मोबाइल में क्रिकेट लाइन गुरू एप में क्रिकेट सट्टा के रन और भाव दिखाई दे रहे थे। मोबाइल में पेमेंट एप के माध्यम से रुपए ट्रांसफर का हिसाब-किताब भी पुलिस को मिला।

कमीशन पर ली थी आइडी-

पुलिस ने आरोपी छोटू उर्फ तिलक यादव को अभिरक्षा में लिया और थाने लेकर पहुंची, जहां उससे क्रिकेट सट्टा की आइडी व हिसाब-किताब को लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि उसे यह मास्टर आइडी खंडेराव वार्ड निवासी 25 वर्षीय अन्ना उर्फ अनिल पुत्र तेजराम कोष्ठी ने 3 प्रतिशत कमीशन पर दी थी। वह अन्ना कोष्ठी को पेमेंट एप के माध्यम से कमीशन के रुपए ट्रांसफर करता था।

मोबाइल का डाटा किया डिलीट

मास्टर आइडी उपलब्ध कराने वाला अन्ना उर्फ अनिल कोष्ठी जरूरत से ज्यादा चालाक निकला। पुलिस ने घेराबंदी कर रात करीब 11 बजे आरोपी को रेंज ऑफिस के पास से पकड़ तो लिया, लेकिन उसके मोबाइल में कोई सट्टा आइडी नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि अन्ना कोष्ठी ने पूछताछ में बताया कि उसे छोटू उर्फ तिलक यादव को पकड़ने की खबर मिल गई थी, जिसके बाद उसने मोबाइल से क्रिकेट सट्टा आइडी को डिलीट कर दिया था।

डिटेल निकलवा रहे हैं

एक आरोपी के पास से सट्टा आइडी सहित हिसाब-किताब मिला है, लेकिन आइडी उपलब्ध कराने वाला अन्ना कोष्ठी शातिर बदमाश निकला। उसने अपना मोबाइल तक बदल दिया था, लेकिन पुलिस ने उसे रिकवर कर लिया है। आगे की लिंक जोड़ने सीडीआर सहित अन्य डिटेल निकलवा रहे हैं।

मीनेष भदौरिया, थाना प्रभारी,

बेटी की शादी की तारीख तय करने जा रहे मां-बेटे की रास्ते में गई जान

पन्ना ■

मातम में बदलीं शादी की खुशियां

मां-बेटे की अस्पताल में मौत होने के बाद जब उनकी मौत की खबर घर पहुंची तो घर में सन्नाटा पसर गया। बेटी की शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। इधर पुलिस ने घटना के बाद मां-बेटे के शव को पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मध्यप्रदेश के पन्ना में मां-बेटे की मौत हो गई। मां अपने बेटे के साथ बाइक से बेटी की शादी की तारीख तय करने और शादी का सामान लेकर जा रही थी। लेकिन रास्ते में ही मौत ने दोनों को अपनी आगोश में ले लिया। मां-बेटे की मौत की खबर जब घर पहुंची तो शादी की खुशियों का माहौल मातम में तब्दील हो गया। पूरा गांव इस घटना से सदमे में है और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

देवेन्द्र नगर थाना इलाके के जामुनहाई गांव की रहने वाली 60 साल की कालीटी आदिवासी अपने बेटे मिजाजी आदिवासी उम्र 35 साल के साथ बाइक से अपनी बेटी की शादी की तारीख तय करने और शादी का सामान खरीदने के लिए जा रही थी। तभी रास्ते में नेशनल हाईवे-39 पर एक ढाबे के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

14 अप्रैल को बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज और सरकारी दफ्तर, जारी हुआ आदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां आंबेडकर जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। जिसमें सभी सरकारी दफ्तर, सरकारी-प्राइवेट स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे। ये फैसला आंबेडकर जयंती को देखते हुए लिया गया है। भारत सरकार के उक्त ज्ञापन के अनुक्रम में परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 की धारा-25 के स्पष्टीकरण द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य शासन एतद् द्वारा दिनांक 14 अप्रैल 2025 दिन सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करता है।

रीवा में 11 केवी बिजली टावर गिरा: ट्रैक्टर चालक की हालत नाजुक, एक अन्य घायल

रीवा ■

रीवा के नईगढ़ी थाना अंतर्गत ग्राम करही में शुक्रवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। जब ट्रैक्टर ट्रॉली को बैक करते समय एक 11 केवी बिजली का टावर गिर गया। टावर की चपेट में आने से ट्रैक्टर चालक मोहित पटेल (22 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसका भाई रोहन पटेल भी घायल हो गया। घटना रात लगभग 10 बजे की बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली को बैक करते वक्त बिजली के टावर का खंभा ट्रॉली में फंस गया और अचानक चालक सीट पर जा गिरा, जिससे मोहित पटेल को गंभीर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही 100 डायल की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को नईगढ़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। डॉक्टरों ने मोहित की हालत गंभीर बताई और प्राथमिक उपचार के बाद उसे संजय गांधी अस्पताल, रीवा के लिए रेफर कर दिया। वहीं, शनिवार की दोपहर तीन बजे उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रीवा से नागपुर के एक उच्च स्तरीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते यह दुर्घटना हुई है। यदि समय रहते खंभों की स्थिति का परीक्षण किया गया होता तो यह हादसा टाला जा सकता था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और घायलों के परिवार की मदद की मांग की जा रही है। मोहित पटेल के परिजन और ग्रामीण प्रशासन से मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

ब्रिटेन की जेएमसी साइट पर नहीं मिला डॉ. नरेंद्र यादव का नाम, रिमांड पर लेने नोएडा से आ रही पुलिस

दमोह ■

फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नरेंद्र यादव की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। दमोह में पांच दिन की रिमांड के बाद नोएडा में दर्ज एफआइआर पर पुलिस रिमांड के लिए दमोह आएगी। इधर, तीन दिन की जांच में दमोह पुलिस उसकी फर्जी डिग्रियों के जाल में उलझी हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसकी एमबीबीएस के अलावा सारी डिग्री फर्जी प्रतीत हो रही हैं। दमोह के मिशन अस्पताल में उसकी नियुक्ति कराने वाली भोपाल की इंटीग्रेटिड वर्क फोर्स यूनिक सॉल्यूशन कंपनी पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है।

एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया, आरोपी डॉ. नरेंद्र विक्रमादित्य यादव ने असली नाम से एक डिग्री और 3 डिप्लोमा कोर्स किए। इनमें एमबीबीएस की डिग्री सही मिली, सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल यूके से एमआरसीपी डिप्लोमा फर्जी निकला। डिप्लोमा की जांच कराई तो ब्रिटेन की जनरल मेडिकल काउंसिल की वेबसाइट व एमआरसीपी में रजिस्टर्ड डॉक्टरों की सूची में आरोपी का नाम नहीं है।

प्रयागराज के घर में मिली जाली सील-मार्कशीट

प्रयागराज स्थित ओमेक्स टाउनशिप में आरोपी डॉ. नरेंद्र के घर से पुलिस ने फर्जी सील, मार्कशीट, प्रिंटर व कम्प्यूटर जब्त किया। पुलिस ने जब्त कर लिया है। आरोपी डॉक्टर ओमेक्स टाउनशिप के जिस मकान में रहता था, उसका किराया 24 हजार रुपए है।

एमपी को मिली 25वीं वाइल्ड लाइफ सेंचुरी नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर अभयारण्य

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में एक और वाइल्ड लाइफ सेंचुरी बन गई है। अंबेडकर जयंती से ठीक पहले राज्य सरकार ने यह ऐलान किया है कि सागर जिले में बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर प्रदेश का 25वां अभयारण्य होगा। राज्य सरकार की ओर से इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

मध्यप्रदेश के सागर जिले में 258.64 वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र में एमपी का 25वां अभयारण्य घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह अभयारण्य डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से जाना जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार ने इसका ऐलान कर दिया। इस अभयारण्य के गठन से वन एवं वन्य प्राणियों का संरक्षण और संवर्धन हो सकेगा। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय तंत्र में खाद्य श्रंखला सुदृढ़ होगी और टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

कहां है यह अभयारण्य

डा. अंबेडकर के नाम पर बनने वाला अभयारण्य सागर जिले के उत्तर सागर वन मंडल तहसील बंडा और शाहगढ़ वन क्षेत्र के 25864 हेक्टेयर (258.64 वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र की सीमा में है।

एमपी में भीषण सड़क हादसा, वाहन पलटने से 4 की मौत 6 की हालत गंभीर

झाबुआ ■

सभी शवों के पोस्टमार्टम कराए गए

घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल ही सभी घायलों को उपचार के लिए पेटलावद अस्पताल पहुंचा दिया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, दूसरी तरफ सभी मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए और चारों पोस्टमार्टम होने के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिए गए हैं। फिलहाल, पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश के झाबुआ से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। जिले के पेटलावद क्षेत्र में आने वाले रायपुरिया थाना इलाके में मरीज को लेकर जा रहे एक तेज रफ्तार तूफान वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने से 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन सवार 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। हादसे का शिकार सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

भीषण सड़क दुर्घटना क्षेत्र के घटना बोलासा घाट पर हुई है। मामले की जांच में जुटी पुलिस का कहना है कि हादसे का शिकार हुए वाहन सवार धार जिले के ग्राम झाय सुनार के रहने वाले हैं। यहां के ही निवासी दरू हटीला ने कोई जहरीली दवाई पीली थी, जिसके चलते उसके परिचित उसे इलाज के लिए सारंगी ले जा रहे थे। जहरीला पदार्थ पीने वाले शख्स की हालत नाजुक होने के चलते चालक वाहन तेज रफ्तार में दौड़ा रहा था। ताकि, उसे जल्द से जल्द इलाज उपलब्ध कराया जा सके। लेकिन, जब वो लोग झाबुआ के बोलासा घाट पर पहुंचे तो यहां वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। मिली जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार तूफान वाहन में 12 लोग सवार थे। संभवत सभी एक ही परिवार के हैं। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 6 गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, अन्य 2 की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

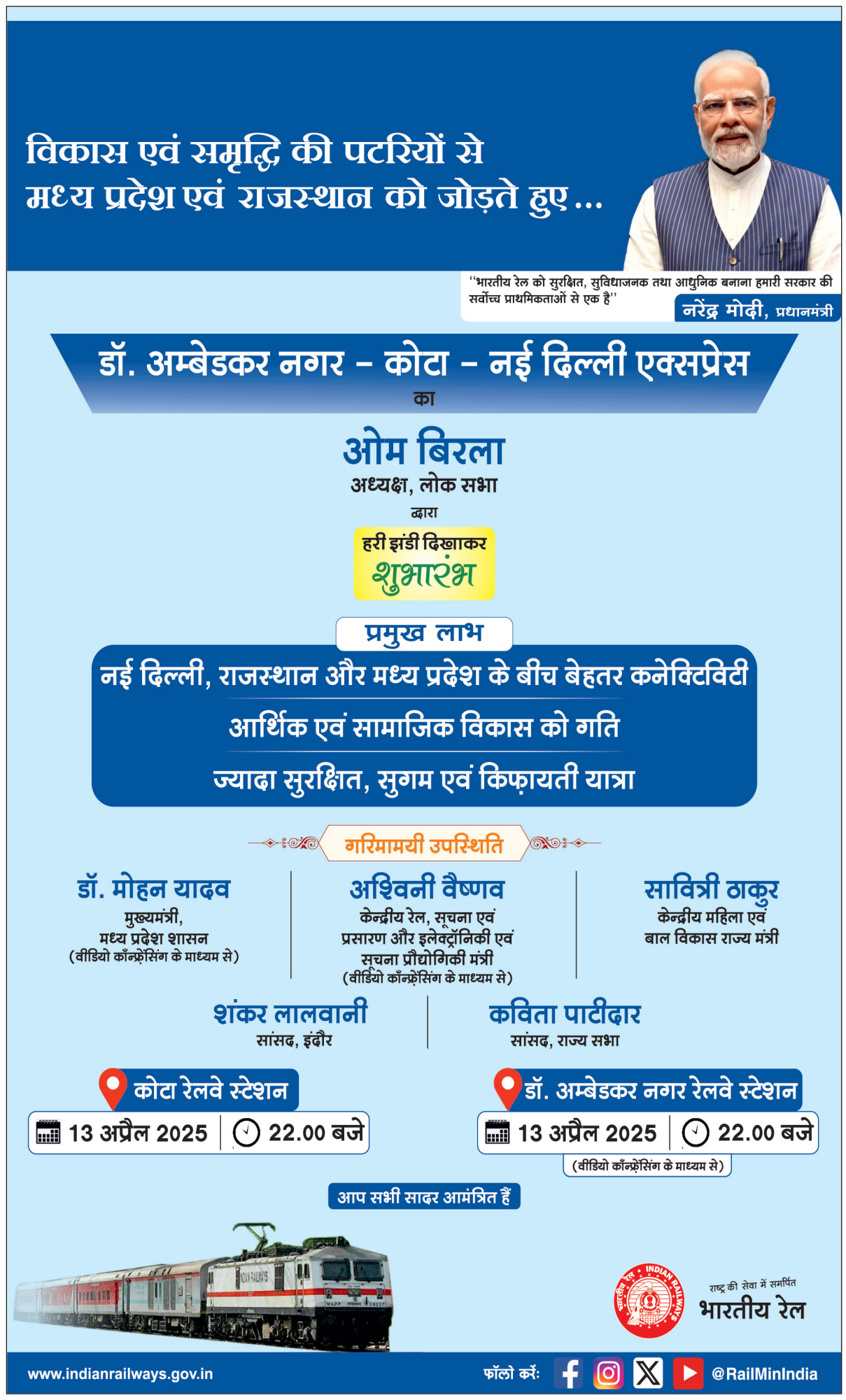

सम्पादकीय

टेरिफ वॉर से दुनिया में आर्थिक मंदी और महंगाई की दस्तक

अमेरिका और चीन के बीच चल रहा टेरिफ वॉर अब वैश्विक अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर खतरे का कारण बन गया है। यह टकराव केवल दो महाशक्तियों तक सीमित नहीं रहा है बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया के देशों में महसूस किए जा रहे हैं। अमेरिका द्वारा चीनी वस्तुओं पर 125प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने के जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर भारी शुल्क लगा दिए हैं। यह व्यापारिक जंग अब ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां इसका समाधान आसान नहीं रहा। इस टेरिफ युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक आर्थिक मंदी के रूप में सामने आ रहा है। जब दो बड़े देश एक-दूसरे के उत्पादों पर भारी कर लगाते हैं। इससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार भी पड़ता है। अमेरिका में चीन से आने वाले सस्ते उत्पादों पर भारी टैक्स के चलते अमेरिका में महंगाई बढ़ना शुरू हो गई है। वहीं चीन में भी अमेरिकी तकनीक और कृषि उत्पादों की कीमते बढ़ना शुरू हो गई हैं। इस का असर आम जनता पर पढ़ रहा है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की रिपोर्ट स्पष्ट रूप से इस ओर इशारा कर रही है। वैश्विक व्यापार की गति धीमी पड़ रही है। विकासशील देशों पर इसका असर सबसे ज्यादा हो रहा है। विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था आयात-निर्यात पर आधारित होती है। टेरिफ वॉर के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है, जिससे उत्पादन में गिरावट और बेरोजगारी जैसी समस्या बढ़ रही हैं। महंगाई भी एक बड़ी चुनौती बन गईं है। जब आयातित वस्तुओं पर भारी टैक्स लगता है। घरेलू बाजार में वस्तुओं की कीमत और टैक्स स्वतः बढ़ जाता है। इससे आम जनता की क्रय शक्ति घटती है। उपभोक्ता मांग कमजोर होना शुरू हो जाती है। यह स्थिति आर्थिक मंदी को और भी बढ़ा देती है। इस समस्या का समाधान केवल संवाद और समझदारी से ही संभव है। अमेरिका और चीन को वर्चस्व की होड़ से बाहर आकर अपने देश के साथ-साथ वैश्विक हितों का ध्यान रखना होगा। इस तरह के व्यापार युद्ध से कोई भी देश दीर्घकालिक लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। मांग और आपूर्ति का सिद्धांत है, जरूरत होने पर ही मांग सामने आती है। समय रहते यह विवाद वैश्विक स्तर पर नहीं सुलझाया गया, तो पूरी दुनिया को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। टेरिफ वॉर सिर्फ. व्यापारिक लड़ाई नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आर्थिक संतुलन को बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। इसका समाधान सहयोग और शांतिपूर्ण वार्ता में ही निहित है। अमेरिका और चीन की मध्यस्थता करने के लिए वैश्विक संस्थाओं को भी आगे आना पड़ेगा। इसके अलावा दुनिया के वह देश जो चीन और अमेरिका के साथ अपने बेहतर रिश्ते रखते हैं, उन्हें भी आगे आकर इस गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में बेहतर भूमिका का निर्वाह करना होगा। जिस तरीके के हालात वर्तमान में बन रहे हैं, उससे सारी दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बनने लगी हैं, जो पूरी मानव जाति के लिए खतरा है।

सनत जैन
लेखिका
ग्लोबल हेराल्ड

बांग्लादेश को माइनस में ले जा रहे हैं यूनुस

बीपी गौतम | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

बांग्लादेश पूरी तरह से राह भटक गया है, इसीलिये वहां प्रदर्शन और हिंसा नहीं रुक पा रही है और न ही नेतृत्व, ऐसे निर्णय ले पा रहा है, जिससे बांग्लादेश शांति की ओर बढ़े और संप्रभु राष्ट्र बना रहे। बांग्लादेश में अब इस्राइल को लेकर हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। ढाका और आस-पास के शहरों में कई अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट भी प्रदर्शनकारियों के निशाने पर आ गये, वहीं मोहम्मद यूनुस भी लगातार गलत निर्णय ले रहे हैं, वे चीन में शी जिनपिंग के सामने पूंछ हिलाते दिखाई दिये और फिर चापलूसी की सभी हदें पार करते हुये भारत की संप्रभुता से खेल गये, इस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारत ने बांग्लादेश की ट्रांसशिपमेंट सुविधा भी बंद कर दी है, इससे पहले बैंकॉक में पिछले सप्ताह बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहम्मद यूनुस से गलत बयानबाजी करने से बचने को कहा था, इसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं ... बांग्लादेश में में प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया, जिससे उन्हें देश छोड़ना पड़ा। तख्ता पलट के बाद मोहम्मद यूनुस के हाथों में नेतृत्व चला गया लेकिन, मोहम्मद यूनुस भी असफल साबित हो रहे हैं। अब कट्टरपंथियों द्वारा सोमवार से इस्राइल के विरुद्ध प्रदर्शन किये जा रहे हैं। गाजा में इस्राइली सेना का सैन्य अभियान चला, जिसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी है, इसके विरोध में बांग्लादेश में कट्टरपंथी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, इन प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्राइल से जुड़े उत्पादों का बायकॉट करने की भी आवाज उठाई जा रही है, साथ ही तमाम अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स के आउटलेट्स पर भी हमला किया जा रहा है। बाटा, केएफसी और पिज्जा हट जैसे ब्रांड्स को निशाना बनाया जा रहा है, इन पर इस्राइल से जुड़े होने की आशंका में कट्टरपंथियों की भीड़ ने हमला कर दिया। बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर भीड़ हिंसक हो उठी। प्रदर्शनकारियों ने कई स्टोर्स में तोड़-फोड़ की और उनके स्टाफ को भी निशाना बनाने की कोशिश की। बोगरा शहर में सैकड़ों की संख्या में छात्रों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और इस्राइल के खिलाफ नारेबाजी की, इस दौरान इस्राइली उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठी और देखते ही देखते भीड़ ने बाटा के शोरूम पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने इस शोरूम पर पत्थर बरसाये, जिससे शीशे की दीवारें टूट गईं। हालांकि, इससे पहले कि भीड़ शोरूम में घुसकर कर्मचारियों को निशाना बनाती, कुछ कर्मियों ने हिम्मत दिखाकर दरवाजे को अंदर से बंद कर लिया। बोगरा सदर पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी एसएम मोइनुद्दीन ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पत्थर से शोरूम का शीशा तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश जरूर की लेकिन, इस घटना में कोई हता-हत नहीं हुआ। पूर्व में स्थित सिलहट शहर के मीरबॉक्सतुला क्षेत्र में उपद्रवी भीड़ ने केएफसी के आउटलेट में तोड़-फोड़ कर दी, इस दौरान लोगों ने कोल्ड ड्रिंक की बोतलें इस्राइल से मैन्युफैक्चर होने के शक में इन्हें फोड़ना शुरू कर दिया, इसके बाद पुलिस ने इलाके को घेर लिया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार और संयुक्त राष्ट्र से इस्राइल पर कार्रवाई करने और गाजा में युद्ध रोकने की मांग उठाई, इसके बाद आउटलेट को बंद कर दिया गया। चटगांव में भी प्रदर्शनकारियों ने केएफसी और पिज्जा हट के आउटलेट पर हमला कर दिया, यहां लोगों ने दुकानों पर पत्थरबाजी की और जूते तक फेंके, इनकी शीशे की दीवारों को भारी नुकसान हुआ। भीड़ को रोकने के लिये चटगांव मेट्रोपोलिटन पुलिस की दो यूनिट्स को भेजा गया। पंचलैश क्षेत्र के पुलिस प्रभारी मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि हम मामले की जांच कर रहे हैं, स्थिति अब शांत है। भीड़ को शाम को ही इलाके से हटा दिया गया था। प्रदर्शन कॉक्स बाजार तक में उग्र हो गये, यहां कालाताली में बड़ी संख्या में लोगों ने जुटकर केएफसी और पिज्जा हट के साइनबोर्ड पर पत्थर बरसाये। एक अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ग्रुप से बातचीत में कॉक्स बाजार पुलिस स्टेशन के अधिकारी इलियास खान ने बताया कि भीड़ ने रेस्तरां के अंदर घुसकर तोड़-फोड़ नहीं की, वे लोग सिर्फ बाहर रहकर इनके बैनर पर पत्थरबाजी करते रहे। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि कुछ लोगों ने आस-पास की दुकानों को निशाना बनाया। इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच बांग्लादेश में अचानक उग्र हुए प्रदर्शनों ने राजनीतिक तनाव को भी जन्म दे दिया है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि पुलिस इस मामले में उपद्रवियों की पहचान के लिये सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हमले के जिम्मेदारों को पकड़ने के लिये पुलिस ने सोमवार से ही छापेमारी जारी रखी है लेकिन, मोहम्मद यूनुस भी इससे पहले कई मौकों पर फलस्तीन के लिये आवाज उठाते रहे हैं, कुछ समय पहले ही उन्होंने इस्राइल की आलोचना करते हुये, उसे गाजा में आम लोगों, महिलाओं और बच्चों के पीड़ित होने के लिये जिम्मेदार ठहराया था, इसका जिक्र उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के भाषण में भी किया था, अब आवामी लीग ने कहा है कि डॉ. यूनुस को अपना पद छोड़ना चाहिये, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराये जा सकें। वैश्विक समुदाय को अभी कार्रवाई करनी होगी। ऐसा न करना सिर्फ बांग्लादेश के लिये ही नहीं बल्कि, पूरे क्षेत्र और वैश्विक स्थिरता के लिये घातक होगा। चीन में शी जिनपिंग के सामने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस जमकर पूंछ हिलाते दिखे थे। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने भारत के इस संप्रभू क्षेत्र को चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार कहा था और उसे वह बीजिंग से अपने कब्जे में लेने का आग्रह करते दिखे थे, साथ ही बांग्लादेश ने चीन को तीस्ता जल प्रबंधन परियोजना का हिस्सा बनने के लिये भी आमंत्रित किया है। यूनुस की चीन यात्रा के दौरान ढाका ने कहा था कि इस मुद्दे पर बीजिंग के साथ बातचीत आगे बढ़ी है। मोहम्मद यूनुस ने चीन यात्रा के दौरान भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर विवादित बयान दिया था। बीजिंग में उन्होंने कहा कि भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य (सेवन सिस्टर्स) समुद्र से कटे हुये हैं और बांग्लादेश इस क्षेत्र के लिये समुद्र का संरक्षक है। उन्होंने चीन को न्योता दिया कि वह बांग्लादेश को अपने आर्थिक विस्तार का हिस्सा बनाये, ताकि इन राज्यों तक समुद्री पहुंच के जरिये चीनी अर्थव्यवस्था का लाभ उठाया जा सके। थाईलैंड में छटे बिस्मटेक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुये एस. जयशंकर ने कहा कि हमारे पास बंगाल की खाड़ी में लगभग 6500 किलोमीटर की सबसे लंबी तटरेखा है, हमारा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सड़कों, रेलवे, जलमार्ग, ग्रिड और पाइपलाइनों के असंख्य नेटवर्क के साथ बिम्सटेक के लिये एक कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में उभर रहा है, इसके अलावा त्रिपक्षीय राजमार्ग का पूरा होना भारत के उत्तर पूर्व को प्रशांत महासागर तक जोड़ देगा, जो एक वास्तविक गेम-चेंजर है, हम इस बात के प्रति सचेत हैं कि इस बड़े भूगोल में वस्तुओं, सेवाओं और लोगों के सुचारू प्रवाह के लिए हमारा सहयोग और सुविधा एक आवश्यक शर्त है, इस भू-रणनीतिक कारक को ध्यान में रखते हुये हमने पिछले दशक में बिम्सटेक को मजबूत करने के लिये बढ़ती ऊर्जा और ध्यान समर्पित किया है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का मानना है कि सहयोग एक एकीकृत दृष्टिकोण है, न कि किसी एक को चुनने का विषय। एस. जयशंकर ने संकेतों में मोहम्मद यूनुस के बयान को काउंटर किया। त्रिपुरा की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी टिपरा मोथा के फाउंडर प्रघोत माणिक्य ने बांग्लादेश को ही तोड़ने की बात कही है। एक्स पर एक पोस्ट करते हुये पूर्व शाही परिवार के सदस्य प्रघोत माणिक्य ने दिल्ली को सुझाव दिया गया था कि पूर्वोत्तर राज्यों पर भौतिक नियंत्रण करने, संचार स्थापित करने और बनाये रखने के तरीकों पर अरबों खर्च करने के बजाय, बांग्लादेश के उन हिस्सों पर नियंत्रण कर लिया जाये, जो हमेशा भारत का हिस्सा बनना चाहते थे।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

राणा का प्रत्यर्पणःभारत की एक बड़ी सफलता

आतंकवाद भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए आज भी एक नासूर है और हाल ही में इस नासूर पर लगाम लगाने के क्रम में मुंबई धमाकों 2008 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाया गया है। कहना गलत नहीं होगा कि यह भारत की आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ी जीत है।सच तो यह है कि यह भारत सरकार के अथक रणनीतिक प्रयासों का ही परिणाम है कि तहव्वुर राणा को भारत लाया जा सका है। पाठकों को बताता चलूं कि मुंबई आतंकवादी हमले में सैकड़ों लोग मारे गए थे, जिनमें 26 विदेशी नागरिक भी थे और इस हमले की विश्वव्यापी निंदा हुई थी। वास्तव में भारत का यह कदम आतंकवादी संगठनों, विशेषकर पाकिस्तान के लिए एक सशक्त/सख्त संदेश है कि किसी एक देश का आतंकवादी किसी अन्य देश में बेफिक्र होकर नहीं घूम सकता। पाठक अच्छी तरह से जानते होंगे कि आतंकवाद का मतलब है, किसी राजनीतिक, धार्मिक, या वैचारिक मकसद को पूरा करने के लिए हिंसा या धमकी का इस्तेमाल करना। वास्तव में आतंकवाद का मकसद, सरकार को किसी न किसी प्रकार से प्रभावित करना या लोगों को डराना होता है। वास्तव में सच तो यह है कि आतंकवाद को एक तरह की हिंसात्मक गतिविधि माना जाता है।

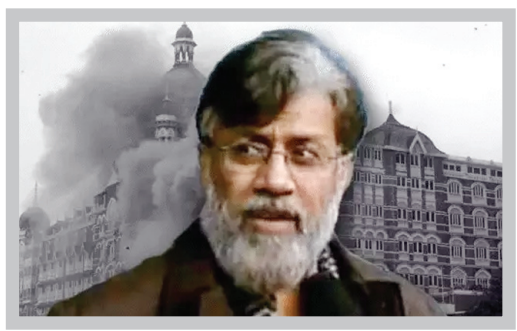

संक्षेप में कहें तो यह मानवता के विरूद्ध एक गंभीर अपराध है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इस कदम से अमेरिका का आतंकवाद के प्रति दृष्टिकोण भी और अधिक स्पष्ट हो गया है। सच तो यह है कि आतंकवाद व आतंकवादी किसी भी राष्ट्र के मित्र नहीं हो सकते हैं। यदि हम यहां पर आतंकवाद की खास बातों पर विचार करें तो यह व्यक्तियों के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह तो एक प्रकार से सामाजिक समूहों और राजनीतिक शक्तियों के बीच संघर्ष है। वास्तव में सच तो यह है कि आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति, असीमित युद्ध का एक रूप ही तो है।कहना गलत नहीं होगा कि आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश स्वयं इसके दुष्परिणामों से अछूते नहीं रह सके हैं और विशेषकर पाकिस्तान इसका जीता-जागता उदाहरण है।आतंकवाद बहुत ही घृणित और विनाशकारी अपराध है। गौरतलब है कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के प्रति वैश्विक परिप्रेक्ष्य में परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। साथ ही, भारत सरकार ने आतंकवाद के प्रति अपनी जीरो टोलरेंस(शून्य सहनशीलता) नीति को भी वैश्विक स्तर पर दृढ़ता से प्रमाणित किया है। अब सरकार से यह अपेक्षा की जा सकती है कि भविष्य में भी इसी प्रकार से अन्य आतंकवादियों और आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण को भी सुनिश्चित किया जाएगा। बहरहाल, पाठकों को यह याद होगा कि कुछ समय पहले ही व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में तहव्वुर राणा को भारतीय कानून का सामना करने के लिए भारत भेजने पर सहमति व्यक्त की थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार राणा पेशे से चिकित्सक है, जिसका जन्म पाकिस्तान में हुआ था तथा बाद में वह कनाडा चला गया था और वहां का नागरिक बन गया। मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकताओं में एक अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाउद गिलानी का राणा करीबी सहयोगी रहा है। उल्लेखनीय है कि हेडली ने मुंबई हमले की रेकी की थी और इस साजिश को साकार करने में राणा ने उसकी मदद की थी।पाठकों को बताता चलूं कि उस समय मुंबई के ताज होटल, सीएसटी और कामा अस्पताल समेत कई जगहों पर हमला हुआ था। इस दौरान पुलिस व सेना की जवाबी कार्रवाई में आतंकी अजमल कसाब जीवित पकड़ा गया था तथा उसे कानूनी प्रक्रिया में दोषी पाये जाने के बाद वर्ष 2012 में उसे 21 नवंबर 2012 में फांसी दे दी गई। गौरतलब है कि कसाब के विरुद्ध दायर चार्जशीट में राणा, हेडली के नामों का भी उल्लेख किया गया है।आरोप है कि राणा ने पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और हरकत-उल-जिहादी इस्लामी के आतंकवादियों के साथ मिल कर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर हमले की साजिश रची थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई ने वर्ष 2020 में राणा को गिरफ्तार किया था। दरअसल, उसकी गिरफ्तारी भारत के कूटनीतिक दबाव के कारण हुई थी। बाद में जांच एजेंसियों की पूछताछ में यह सामने आया कि मुंबई आतंकी हमले में राणा का भी हाथ रहा है। हाल फिलहाल, एनआईए को तहव्वुर राणा की 18 दिन की रिमांड मिली है और इस संबंध में पटियाला हाउस कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। उम्मीद की जा सकती है कि पूरी जांच के बाद मुंबई हमले में पाकिस्तान की भूमिका की भी पुख्ता जानकारी भारत को मिल सकेगी। हालांकि, यह बात अलग है कि यह पहले भी प्रमाणित हो चुका है कि इस हमले की साजिश पड़ौसी देश पाकिस्तान में ही रची गई थी। भारत के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं, लेकिन पाकिस्तान यह कभी भी स्वीकार नहीं करेगा। हालांकि, पाकिस्तान का चेहरा अब पूरी दुनिया के समक्ष एक्सपोज हो चुका है कि वह आतंकवाद और आतंकियों का असली गढ़ है। हाल फिलहाल, 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा का अमरीका से भारत प्रत्यर्पण एक कानूनी सफलता भर नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है कि हम आतंकवाद को किसी भी हाल और सूरत में स्वीकार करने वाले नहीं हैं। जैसा कि ऊपर भी यह कह चुका हूं कि यह भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टोलरेंस की नीति को स्पष्टतया दिखाता है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि भारत ने न केवल राणा की आतंकी हमले में संलिप्तता के ठोस प्रमाण प्रस्तुत किए, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि उसके साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यवहार किया जाएगा। इसके बाद, अमरीकी अदालतों में लंबी कानूनी प्रक्रिया चली। राणा ने भारत में निष्पक्ष सुनवाई न होने का तर्क देने के साथ अपनी जान को खतरा बताते हुए प्रत्यर्पण का विरोध भी किया था।

सुनील कुमार महला
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है।

देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

खुदरा महंगाई के दबाव में सब्जियां एवं दालें होंगी सस्ती!

पांच साल के निचले स्तर पर आ जाएगी खुदरा महंगाई

मुंबई ■

भारतीय अर्थव्यवस्था में छोटी गिरावट के बाद रेपो दर को फिलहाल दूसरी बार 0.25 फीसदी कटौती के बाद सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) ने दिया एक और राहत के संकेत।

मार्च में खुदरा महंगाई की औसत दर में 3.47 फीसदी की गिरावट की भविष्यवाणी की जा रही है, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे कम होगी। विभिन्न खाद्य उत्पादों की कीमतों में नरमी के कारण मार्च में सब्जियों एवं दालों की कीमतों में 5.1 फीसदी की गिरावट की आशंका है। चीनी, खाद्य तेल, दूध और फलों में महंगाई के दबाव ने बाधा उत्पन्न की है। बीते महीनों में सब्जियों और दालों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है। इसके साथ ही अरहर, चने, मूंग, मसूर और उड़द जैसी दालों की कीमतें भी कम हो गई हैं। सीएमआईई के अनुसार मार्च में अनाज की मुद्रास्फीति घटकर 5.3 फीसदी रह गई है, और गेहूं-आटे की कीमतों में अल्प गिरावट आई है। तेल और वसा की कीमतें भी बढ़कर 17.2 फीसदी हो सकती हैं। इस बढ़ा हुआ दबाव चीनी, सरसों, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल कीमतों में भी बढ़ोतरी के कारण निकला है। आने वाले महीनों में कार्यस्थल पर खुदरा महंगाई में सुधार की उम्मीद है, लेकिन इसके साथ देशवासियों को सब्जियों और दालों में कटौती का लाभ मिलने की आशा है।

काफी संघर्ष के बाद पेटीएम के शेयरों में आया 3 फीसदी उछाल, निवेशक हुए खुश

मुंबई ■

पेटीएम के शेयर इस साल संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आज यानी शुक्रवार का दिन निवेशकों के लिए अच्छा रहा। कंपनी के शेयरों की कीमतों में उछाल आया। पेटीएम के शेयरों में शुक्रवार सुबह 3 फीसदी से ज्यादा का उछाल नजर आया है। इस उछाल की वजह कंपनी में म्यूचुअल फंड्स की बढ़ी हिस्सेदारी को माना जा रहा है। बता दें गुरुवार के क्लोजिंग डाटा हिसाब से पेटीएम के शेयरों में इस साल 18 फीसदी की गिरावट आई है। 2025 में कंपनी के शेयर 987.60 रुपए से घटक्र 810 रुपए प्रति शेयर पर आ गए थे। बीएसई में शुक्रवार को पेटीएम के शेयर

बढ़त के साथ 828.55 रुपए के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 836.70 रुपए सुबह 9.53 मिनट पर पहुंच गया। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड में जनवरी से मार्च 2025 तक की म्यूचुअल फंड्स के पास 8,36,17,835 शेयर थे। कंपनी में कुल हिस्सेदारी 13.11 फीसदी है। इसमें से 2.30 फीसदी हिस्सेदारी मोतीलाल ओसवाल के पास है। निप्पन म्यूचुअल फंड्स के पास 2.76 फीसदी हिस्सा है।

सेफ हेवन का दर्जा खो रहा अमेरिका... सरकारी खजाने को लेकर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली ■

शेयर बाजार की उठापटक ने भले ही सारी सुर्खियां बटोरी हों, लेकिन वित्तीय बाजार के एक और कोने में एक और गंभीर संकट पनप रहा है. निवेशक अमेरिकी सरकारी बॉन्ड को तेजी से बेच रहे हैं. आम तौर पर जब भी आर्थिक संकट की आहट होती है, निवेशक अमेरिकी ट्रेजरी में पैसा लगाते हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा. यहां तक कि ज्यादा ब्याज रिटर्न का लालच भी निवेशकों को बॉन्ड खरीदने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रहा.

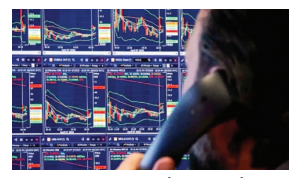

यह असामान्य स्थिति विशेषज्ञों को चिंता में डाल रही है. उनका मानना है कि बड़े बैंक, फंड्स और ट्रेडर्स अब अमेरिका को एक भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में नहीं देख रहे हैं. पेन म्यूचुअल एसेट मैनेजमेंट के फंड मैनेजर जॉर्ज

सिपोलोनी कहते हैं, डर है कि अमेरिका अपनी सेफ हेवन की छवि खो रहा है. हमारा बॉन्ड बाजार दुनिया का सबसे बड़ा और स्थिर है, लेकिन अगर इसमें अस्थिरता आती है, तो नुकसान हो सकता है. ट्रेजरी यील्ड में तेजी का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है. इससे होम लोन, कार लोन और अन्य लोन की ब्याज दरें बढ़ेंगी. वेल्स फारगो इन्वेस्टमेंट इंस्टीट्यूट के ब्रायन रेह्लिंग के मुताबिक, जैसे ही यील्ड ऊपर जाती है, आपकी उधारी महंगी होती जाती है. कंपनियां भी इन उधार दरों से प्रभावित होंगी और लागत बचाने के लिए या तो कीमतें बढ़ाएंगी या नौकरियां कम करेंगी. ट्रेजरी बॉन्ड्स असल में अमेरिकी सरकार की आई.ओ.यू रसीदें होती हैं, जिनके जरिए सरकार अपने खर्च चलाती है. पिछले हफ्ते 10-वर्षीय ट्रेजरी की यील्ड 4.01% थी, जो शुक्रवार को बढ़कर 4.58% तक पहुंच गई और फिर थोड़ा घटकर 4.50% पर आई. आमतौर पर शेयर बाजार में गिरावट के समय बॉन्ड बाजार राहत देता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा. विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप द्वारा घोषित टैरिफ और अनिश्चित नीतियों ने अमेरिका की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं. निवेशक अब अमेरिका को उतना भरोसेमंद नहीं मान रहे. इनवेस्टमेंट बैंक एवरकोर क्रक की विश्लेषक सारा बिआंकी लिखती हैं, अगर मामला अमेरिका में विश्वास की व्यापक कमी का है, तो केवल ट्रेड से पीछे हटना भी यील्ड को कम नहीं कर पाएगा.

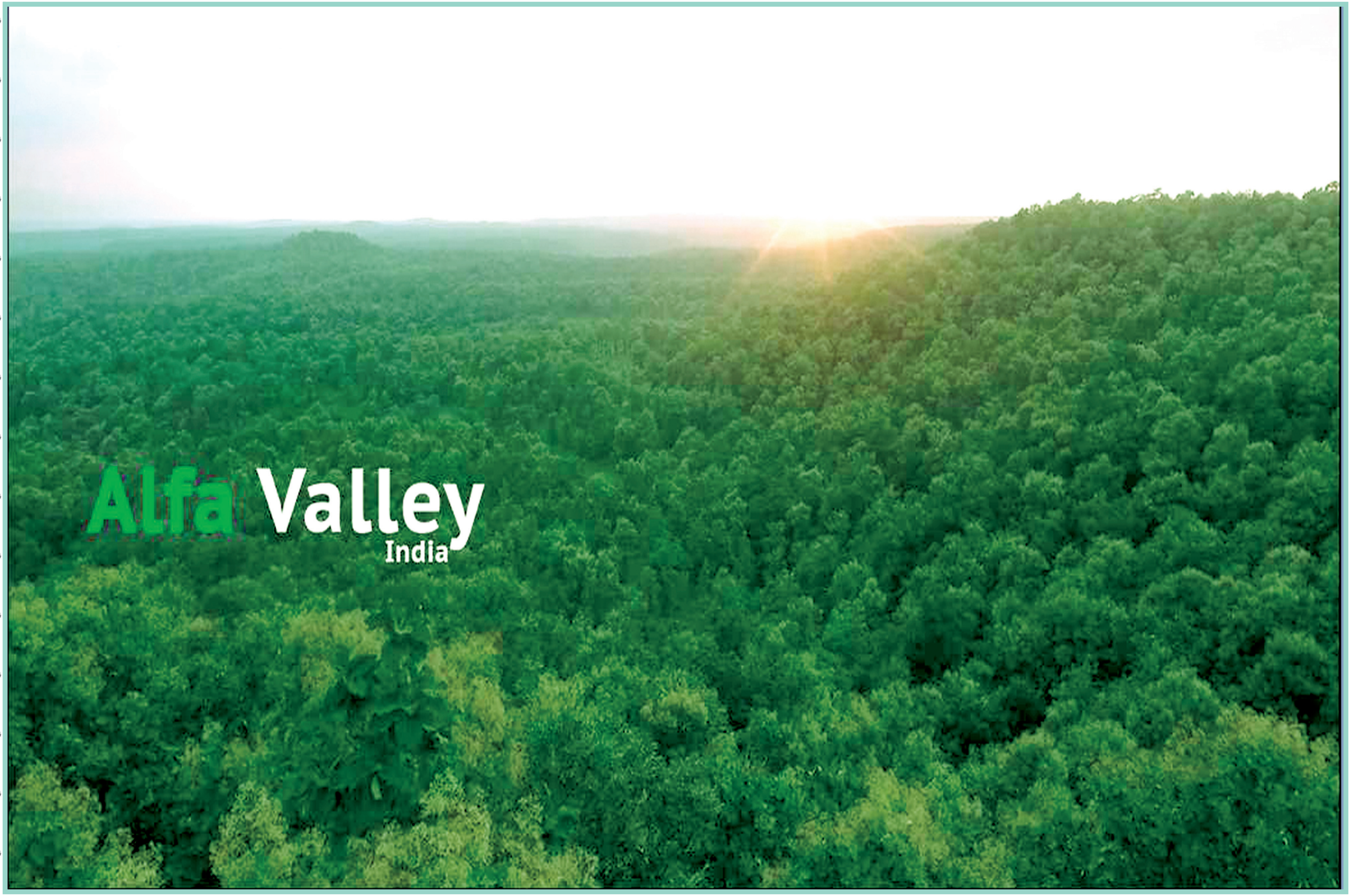

Alfa Valley
India

लखनऊ ने गुजरात को दी 6 विकेट से मात, निकोलस पूरन का तूफानी पचासा

लखनऊ ■ एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को दिन के पहले मुकाबले में लखनऊ के इकाना स्टेडियम में मेजबान टीम ने गुजरात टाइटंस के प्वाइंट्स टेबल में पहली पायदान कब्जाने के इरादे पर वार करते हुए उसे 6 विकेट से हरा दिया. हालांकि, गुजरात ने लखनऊ को ठीक-ठाक 181 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन एडेन मार्करम (58) और कप्तान ऋषभ पंत ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत दी, लेकिन पंत के आउट होने के बाद लेफ्टी निकोलस पूरन (61 रन, 34 गेंद 1 चौका, 7 छक्के) ने ऐसा प्रचंड प्रहार किया कि फिर मैच में औपचारिकता के अलावा कुछ बचा ही नहीं.

इस पर आयुष बडोनी (नाबाद 28 रन, 20 गेंद, 2 चौके, 1 छक्के) ने 19.3 ओवरों में 6 विकेट बाकी रहते मुहर लगा दी. प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए. पहली पाली में मेहमान टीम गुजरात टाइटंस ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी का न्योता पाने के बाद लखनऊ सुपर जॉयंट्स के सामने जीत के लिए 181 रनों का लक्ष्य रखा. हालांकि, साई सुदर्शन (56 रन, 37 गेंद, 7 चौके, 1 छक्का) और कप्तान शुभमन गिल (60 रन, 38 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) द्वारा दी गई शतकीय साझेदारी को देखते हुए स्कोर कहीं बड़ा बनना चाहिए था, लेकिन इन दोनों के बाद के बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सके. नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, तो गुजरात 20 ओवरों में 6 विकेट पर 180 ही रन बना सका. लखनऊ के लिए शार्दूल ठाकुर और रवि बिश्नोई ने दो-दो, तो दिग्वेश सिंह राठी और आवेश खान ने एक-एक विकेट लिया.

विनेश फोगाट ने खेल अकादमी खोलने का किया ऐलान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ओलंपियन और पूर्व रेसलर विनेश फोगाट ने घोषणा की है कि वह हरियाणा सरकार से प्राप्त 4 करोड़ रुपए के पुरस्कार को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अकादमी स्थापित करने में खर्च करेंगी। यह पुरस्कार उन्हें पेरिस ओलंपिक 2024 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया है।

हरियाणा की खेल नीति को देश की बेहतरीन नीतियों में गिना जाता है, जो खिलाड़ियों को तीन विकल्प प्रदान करती है - जमीन, नौकरी या नकद राशि। ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेताओं को 6 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 4 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 2.5 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 के 50 किग्रा महिला पहलवानी वर्ग के फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन फाइनल से पहले वजन परीक्षण में तय सीमा से थोड़ा अधिक वजन होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बावजूद, हरियाणा सरकार ने उन्हें रजत पदक विजेता के बराबर 4 करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया।

मनोरंजन

स्वरा भास्कर ने की फिलिस्तीन पर इजरायल के हमलों की निंदा

मुंबई। बालीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने फिलिस्तीन पर इजरायल के हमलों की कड़ी निंदा की है। स्वरा ने कहा कि हम सब एक भयानक नरसंहार को होते हुए देख रहे हैं, लेकिन चुपचाप बैठ कर बस उसे स्क्रॉल कर रहे हैं, जैसे कुछ हुआ ही नहीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए इस संघर्ष को मानवता के खिलाफ अपराध करार दिया है। उनके मुताबिक इजरायल सिर्फ गाजा पर हमला नहीं कर रहा, बल्कि मानव जाति से उसकी इंसानियत भी छीन रहा है। स्वरा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह हर दिन खुद को सामान्य ज़िंदगी की तरह तैयार करती हैं, मेकअप करती हैं, बच्ची के साथ खेलती हैं, सेल्फी लेती हैं, सोशल मीडिया पर रील बनाती हैं और ऑनलाइन शॉपिंग में व्यस्त रहती हैं। लेकिन ये सब करने के बावजूद उनके मन से गाजा में मरते बच्चों और बिलखते माता-पिता की तस्वीरें नहीं जातीं। उन्होंने बताया कि वह हर दिन ऐसे माता-पिता को देखती हैं जो अपने बच्चों के शवों को गोद में लिए खड़े होते हैं, जिनके शरीर बमबारी में टुकड़ों में बंट चुके होते हैं।

मिर्जा अब्बास अली का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं

साउथ की फिल्मों में अभिनय करने वाले मिर्जा अब्बास अली का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। एक वक्त था जब उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर कर लोगों का दिल जीत लिया था, लेकिन आज वह ग्लैमर की दुनिया से दूर एक सामान्य जीवन जी रहे हैं। अब्बास अली ने अपने करियर की शुरुआत फैशन मॉडल के तौर पर की थी। दमदार लुक और प्रभावशाली कद-काठी के चलते उन्हें तमिल, तेलुगू, मलयालम और कुछ हिंदी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। साल 1996 में फिल्म 'कधल देसम' से उन्होंने डेब्यू किया, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई। इसके बाद वह 'कंडुकोडैन कंडुकोडैन' में ऐश्वर्या राय, तब्बू और अजित कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ नजर आए। उन्होंने शाहरुख खान और कमल हासन की फिल्म 'हे राम' में भी एक छोटा लेकिन अहम किरदार निभाया था। कोलकाता से ताल्लुक रखने वाले मिर्जा तमिल भाषी मुस्लिम परिवार से आते हैं। पहले वह एयरफोर्स में पायलट बनना चाहते थे, लेकिन परीक्षा में सफल न हो पाने के कारण यह सपना अधूरा रह गया। एमबीए किया और मॉडलिंग के जरिए फिल्मी दुनिया में कदम रखा। उनके नाना फारुख मिर्जा बंगाली फिल्मों से जुड़े थे और परिवार एक्टर फिरोज खान के परिवार से भी जुड़ा हुआ था। शुरुआत में अब्बास का करियर शानदार रहा, लेकिन वक्त के साथ फिल्में फ्लॉप होने लगीं और काम मिलना बंद हो गया। आर्थिक तंगी के चलते उन्हें फिल्म इंडस्ट्री छोड़नी पड़ी और वह बेहतर भविष्य की तलाश में न्यूजीलैंड चले गए। वहां उन्होंने पेट्रोल पंप पर काम किया, बाथरूम तक साफ किए और मैकेनिक की नौकरी भी की।

राम चरण की 'पेड्डी' के टीज़र ने मचाई धूम

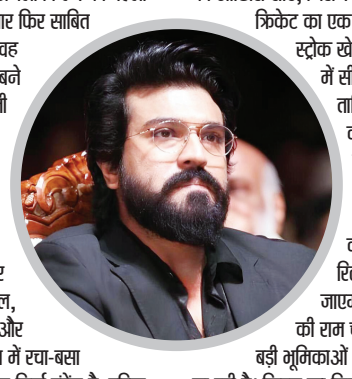

पैन इंडिया स्टार राम चरण अब निर्देशक बुची बाबू सना की फिल्म पेड्डी में नजर आएंगे। उनकी अगली फिल्म की पहली झलक ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह दर्शकों के चहेते बने हुए हैं। रामनवमी के अवसर पर रिलीज किए गए पेड्डी के टीज़र में राम चरण का लुक पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। लंबे बाल, नाक में अंगूठी और ग्रामीण पृष्ठभूमि में रचा-बसा उनका किरदार न सिर्फ इंटेंस है, बल्कि उसकी मौजूदगी भी स्क्रीन पर दमदार है। इस फिल्म में वह एक ऐसे गांव के लड़के की भूमिका निभा रहे हैं जो हर मौके को भुनाना जानता है। फिल्म के इस फर्स्ट लुक में कोई और किरदार नहीं दिखाया गया, और पूरा फोकस सिर्फ राम चरण के व्यक्तित्व और उनके अवतार पर है। टीज़र में सबसे खास बात है एआर रहमान का दमदार बैकग्राउंड स्कोर। रहमान की कोरस के साथ तैयार की गई बीजीएम राम चरण की स्क्रीन प्रेजेंस को और भी ऊंचाइयों तक ले जाती है। टीज़र का आखिरी शॉट, जिसमें राम चरण क्रिकेट का एक स्टाइलिश स्ट्रोक खेलते हैं, थिएटर में सीटियां और तालियां बटोरने वाला सीन लगता है। फिल्म पेड्डी को 27 मार्च 2026 को पूरे भारत में रिलीज किया जाएगा। यह अब तक की राम चरण की सबसे बड़ी भूमिकाओं में से एक मानी जा रही है। फिल्म का निर्माण सुकुमार और माइथ्री मूवी मेकर्स मिलकर कर रहे हैं। जान्हवी कपूर इसमें फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। जूनियर एनटीआर के साथ देवरा में दिख चुकी हैं और अब पेड्डी में भी दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी मौजूदगी को और मजबूत कर रही हैं। निर्देशक बुची बाबू सना की यह फिल्म हर पहलू से भव्य नजर आ रही है और टीज़र ने दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है।

पंकज आडवाणी का जलवा, डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की।

ब्रिटेन के खिलाड़ी ने आखिरी चरण के मुकाबले को जीतने के साथ ही 8-7 (19-100, 0-100, 100-47, 100-52, 19-100, 100-0, 49-100, 100-3, 34-100, 4-100, 100-85, 31-100, 100-53, 100-43, 100-28) से खिताब अपने नाम कर लिया। आडवाणी अब रविवार से आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स में अपने खिताब का बचाव करेंगे उतरेंगे, जिसे वह 2016 से जीतते आ रहे हैं। यह विश्व चैंपियनशिप समयबद्ध प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ियों से बड़े ब्रेक की उम्मीद की जाती है।

शिखर धवन के योगदान से उभरते सितारे, आईपीएल में चमक रहे हैं

नई दिल्ली। टीम इंडिया का गब्बर यानि शिखर धवन, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा, की छाप क्रिकेट जगत में अभी भी गहरी और प्रेरणादायक बनी हुई है। आईपीएल 2025 में उभरते सितारे आयुष बदोनी, प्रियांश आर्य और दिग्वेश राठी अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, और इनका एक खास संबंध दिल्ली की क्रिकेट संस्कृति और शिखर धवन की दूरदर्शिता से जुड़ा है। यह तीनों युवा खिलाड़ी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की प्रमुख टीम साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज का हिस्सा रहे हैं, जो शिखर धवन की सोच और समर्पण का परिणाम है। धवन ने आयुष लालवानी (लालवानी ग्रुप) और इश्विन सिंह होरा (रीच ग्रुप) के साथ मिलकर इस फ्रेंचाइजी को खरीदा था।

ओलंपिक के लिए लवलीना को बदलना होगा वजन वर्ग

नई दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए अपना वजना वर्ग बदलना होगा। लवलीना अब तक 75 किग्रा भार वर्ग में उतरती रही हैं पर अब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए 75 किग्रा भार वर्ग को समाप्त कर दिया है। इसलिए लवलीना को अब या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में उतरना होगा। आईओसी ने ओलंपिक 2028 के लिए कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा की घोषणा भी है। इस घोषणा से हैरान लवलीना ने कहा, ''यह मेरे लिए बिल्कुल नई जानकारी है। यह काफी चौंकाने वाली है। मुझे लगता है कि मुझे 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा क्योंकि मेरे लिए 80 किग्रा से अधिक तक जाना मुश्किल होगा।'' उनकी निजी कोच प्रणामिका बोरा भी इस बदलाव हैरान थी लेकिन उन्होंने कहा कि फिटनेस और चिकित्सा मूल्यांकन के बाद ही नए वजन वर्ग को लेकर कोई अंतिम फैसला किया जाएगा।

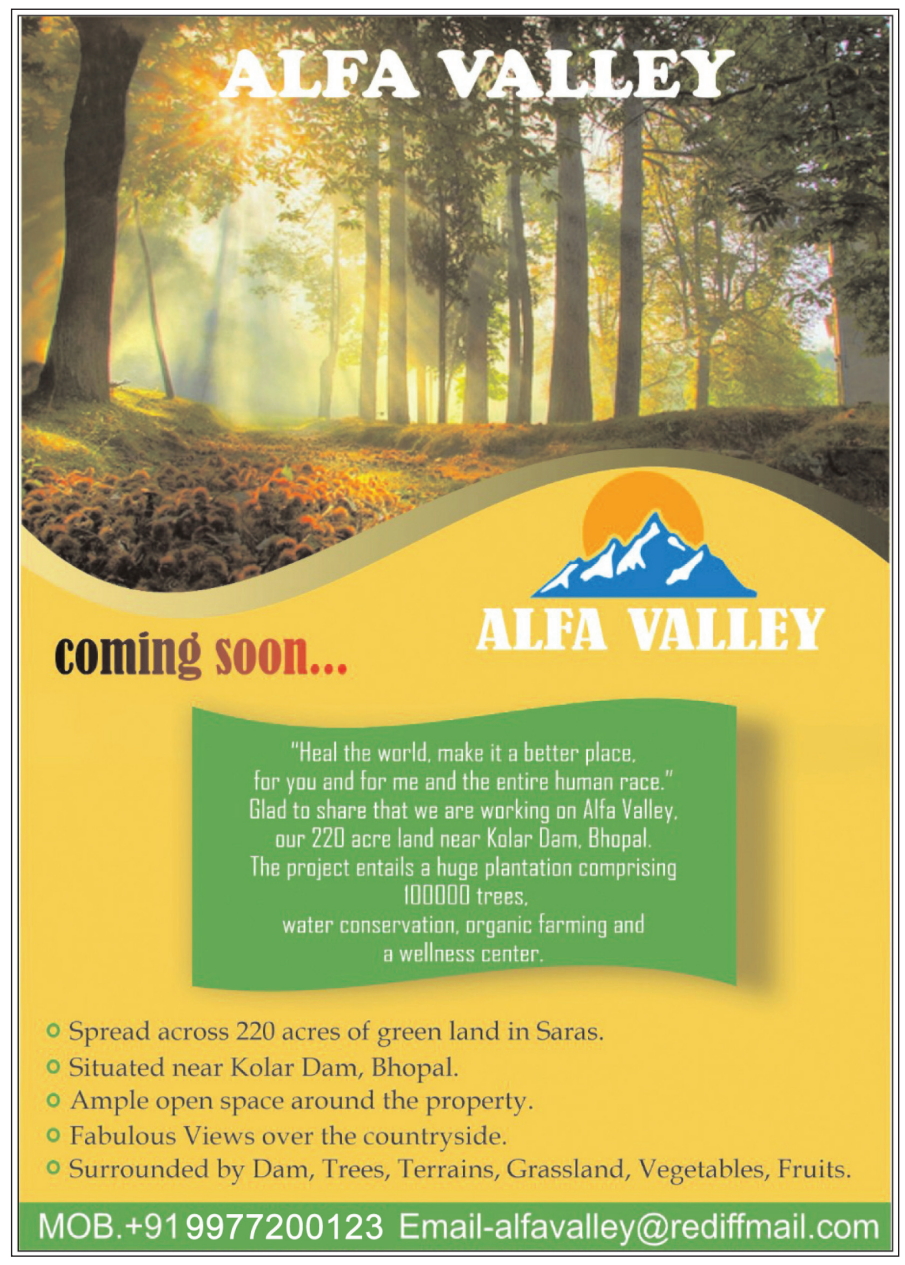

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com